



सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीएम विजयन और अन्य के खिलाफ जांच पर लगाई एक हफ्ते की रोक



एजेंसी, नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने कथित सीएमआरएल रिश्तव मामले में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनरई विजयन, उनकी बेटी वीणा टी और उनके पति पीए मोहम्मद रियास के खिलाफ चल रही जांच पर एक हफ्ते की रोक लगा दी है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची की अध्यक्षता वाली पीठ ने विजयन और दूसरे आरोपितों को सिंगल जज के आदेश के खिलाफ केरल उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच में जाने की अनुमति दे दी। केरल उच्च न्यायालय ने 15 अक्टूबर को विजयन, वीणा और रियास की उन अर्जियों को खारिज कर दी थी, जिनमें उन्होंने सिंगल जज के 9 अक्टूबर के आदेश के खिलाफ अपील दायर करने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में आरोपित को एफआईआर दर्ज होने से पहले अपनी बात रखने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। यह मामला सीएमआरएल और वीणा थैककंडिलिंग की कंपनी 'एक्ससलोजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' के बीच हुए वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी का दावा है कि उसे कुछ ऐसे सबूत मिले हैं, जो अपराध की ओर इशारा करते हैं और उसने ये सबूत केरल पुलिस के साथ साझा किए हैं। राज्य सरकार ने तुरंत एफआईआर दर्ज करने के बजाय मामले की शुरुआती जांच के लिए एक एसआईटी गठित करने का फैसला किया। केरम शजहां नामक वकील ने केरल उच्च न्यायालय में इस कदम को चुनौती दी और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। वह पूर्व मुख्यमंत्री एवं सीपीएम नेता वीएस अच्युतानंदन के नेता विपक्ष रहने के दौरान उनके अतिरिक्त सचिव रहे थे। इस पर केरल उच्च न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

टाइगर श्राफ फायरिंग मामले के तीनों आरोपित मुंबई पहुंचे, की जा रही पूछताछ

एजेंसी, मुंबई

टाइगर श्राफ पर जानलेवा हमले के मामले में राजस्थान में गिरफ्तार तीनों आरोपितों को लेकर मुंबई पुलिस बुधवार तड़के करीब चार बजे मुंबई पहुंची। पुलिस ने इन तीनों का तत्काल जीटी अस्पताल में मेडिकल चेकअप करवाया। इसके बाद तीनों से पूछताछ शुरू की। इन तीनों को आज ही कोर्ट में पेश किया जाएगा। इन आरोपितों के वकील अजिंक्य मिराल ने बताया कि अभी तक पुलिस ने उन्हें इन तीनों के वकालतनामा पर हस्ताक्षर करने के



लिए मिलने नहीं दिया है। पुलिस ने बताया कि कोटा से करीब 17 घंटे के सफर के बाद मुंबई पहुंचने पर तीनों को जीटी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल चेकअप किया गया। तीनों को मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटर्शन सेल में रखा गया है। आरोपितों की पहचान ऋतिक कुमार,

श्राफ पर हमले को लेकर उसकी अनिल पंडित से बातचीत होने की बात सामने आई है। यहां ऐसी चर्चा है कि इस मामले में मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने अन्य चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस इन चारों को भी मुंबई लाने वाली है। मगर अधिकारी इस पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं। रविवार शाम को जुहू के पुष्पा पार्क इलाके में तीन हमलावरों ने फिल्म अभिनेता टाइगर श्राफ पर फायरिंग की थी। हमले में टाइगर श्राफ तो बाल-बाल बच गए, लेकिन उनका ड्राइवर और एक राहगीर घायल हो गए थे।

अमेरिका-ईरान ज़िद पर अड़े, शांति समझौते के आसार कम

एजेंसी, वाशिंगटन (अमेरिका)/तेहरान (ईरान)

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान के साथ शांति समझौता करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जब तक तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाना बंद नहीं करता, तब तक उस पर आर्थिक दबाव बना रहेगा। इस पर ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि जब तक वाशिंगटन, तेहरान की शर्तें नहीं मान लेता, तब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और कतर के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है। अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रूबियो और अराघची ने अपने-अपने देश के मीडिया से बातचीत में यह टिप्पणी की।

इस बीच अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ का अहम बयान सामने आया है। उनका कहना है कि वाशिंगटन, ईरान के खिलाफ और सैन्य कार्रवाई करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, “हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि

ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार न आए।” ईरान का यह भी कहना है कि उसका संवर्धित यूरेनियम देश के भीतर ही रहेगा। उसने लगभग 400 किलोग्राम परमाणु सामग्री को रूस की कस्टडी में सौंपने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। यह घोषणा ऐसे समय पर हुई है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान के दौरे पर हैं। ईरानी अधिकारियों का जोर है कि बातचीत फिर से शुरू होने से पहले वाशिंगटन को भरोसा बहाल करना होगा। उन्होंने राजनयिक बातचीत के दौरान अमेरिका के पहले किए गए हमलों और तेहरान के सात-सूत्रीय प्रस्ताव का हवाला दिया। इस बीच, व्हाइट हाउस ने साफ किया कि अमेरिका की तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले ईरान पर हमला करने की कोई योजना नहीं है। अराघची ने कहा कि रूस के साथ तेहरान के संबंध पहले कभी इतने करीबी नहीं रहे। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के बीच रूस, ईरान की न के बराबर मदद कर रहा है।



देवेंद्र फडणवीस ने राष्ट्रपति मुर्मु को दिया नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह का निमंत्रण

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में द्रौपदी मुर्मु से मिलकर 31 अक्टूबर को होने वाले नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। यह समारोह कुंभ मेले के भव्य आयोजन की शुरुआत का प्रतीक होगा। मुख्यमंत्री सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति भवन में आयोजित मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने राष्ट्रपति मुर्मु को नासिक और त्र्यंबकेश्वर में होने वाले ध्वजारोहण समारोह के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया।

साथ ही उन्हें महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं, आदिवासी उद्यमिता, वस्त्र कला, कृषि समृद्धि और खान-पान की परंपराओं को दर्शाने वाला विशेष उपहार सेट भी भेंट किया। मुख्यमंत्री सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति को 31 अक्टूबर को आयोजित होने वाली गोदा आरती में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया गया। इस दिन ध्वजारोहण समारोह के अलावा नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण की वेबसाइट का शुभारंभ, कुंभ मेले के आधिकारिक गीत का विमोचन, कुंभ मेले पर आधारित कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन तथा विशेष डाक टिकट का अनावरण भी प्रस्तावित है। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबल, जल संसाधन, आपदा प्रबंधन एवं कुंभ मेला मंत्री तथा नासिक के पालकमंत्री गिरीश महाजन, स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे और खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा विशेष सहायता मंत्री नरहरि जिरवाल उपस्थित थे।

जेलैस्की की यूक्रेन में स्टारलिनक बहाल करने की मांग पूरी होने पर संशय

एजेंसी, ओस्लो (नार्वे)/वाशिंगटन (अमेरिका)

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलैस्की की यूक्रेन में 48 घंटों के भीतर स्टारलिनक बहाल करने की मांग पूरी होने पर संशय है। हालांकि, जेलैस्की ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ बातचीत के बाद यूक्रेन में स्टारलिनक सेवा 48 घंटों के भीतर बहाल होने की संभावना जताई है। इस बीच दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने यूक्रेन में स्पेसएक्स सैटेलाइट नेटवर्क तक पहुंच को सीमित करने का फैसला किया है। दरअसल, 14 अक्टूबर को यूक्रेन के सेरही स्टर्नैन्को ने कहा था कि यूक्रेन में स्टारलिनक सेवाओं को सीमित कर दिया गया है। ओस्लो में मंगलवार को जेलैस्की ने कहा, “हमने



सुबह-सुबह ओस्लो जाते समय ट्रेन में विदेशमंत्री रूबियो से बातचीत की। हमने सैटेलाइट नेटवर्क तक पहुंच को सीमित करने का फैसला किया है। दरअसल, 14 अक्टूबर को यूक्रेन के सेरही स्टर्नैन्को ने कहा था कि यूक्रेन में स्टारलिनक सेवाओं को सीमित कर दिया गया है। ओस्लो में मंगलवार को जेलैस्की ने कहा, “हमने

अमेरिकी खुफिया डेटा और स्टारलिनक तक पहुंच से वंचित कर सकता है। यह रिपोर्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खुफिया जानकारी जैसे संवेदनशील समय बाद आई। ट्रंप ने तर्क दिया कि जेलैस्की ने पूरी दुनिया के लिए समस्याएं कनेक्शन आ जाएगा।” पॉलिटिको ने इसी माह रिपोर्ट दी कि वाशिंगटन, कीव को

देश की राजनीति व शासन व्यवस्था को दिशा दे रहे हैं भारतीय जनसंघ के विचार: नितिन नवीन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना जिन उद्देश्यों और विचारों को लेकर की गई थी, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसंघ के विचार देश की राजनीति और शासन व्यवस्था को दिशा दे रहे हैं। भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन- भारतीय जनसंघ की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम के दौरान नितिन नवीन ने पत्रकारों से कहा कि यह सभी के लिए सीमागत की बात है कि डॉ. श्यामा

प्रसाद मुखर्जी द्वारा एक विशेष उद्देश्य और मिशन के साथ स्थापित जनसंघ ने अपनी यात्रा के 75 वर्ष पूरे कर लिये हैं। उन्होंने इस यात्रा को सफल बनाने का दायित्व अपने कंधों पर ले लिया है। उन्होंने कहा कि जनसंघ के विचारों और लक्ष्यों के साथ अपनी शुरुआत की थी, वे आज भी देश की राजनीति और शासन व्यवस्था को दिशा दे रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जनसंघ की स्थापना के पीछे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जड़ों को मजबूत करना, 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाना और समाज के अंतर्गत व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना प्रमुख उद्देश्य थे।

शिवा शर्मा मौत मामला : श्रद्धा दुबे, रश्मि और दानिश 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड

एजेंसी, नागपुर

लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में फरार चल रही श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और चालक दानिश को नागपुर जिला अदालत ने 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया है। लखनऊ पुलिस और उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम तीनों को नागपुर से लेकर लखनऊ रवाना हो गई है। अब लखनऊ पहुंचने के बाद मामले में पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और दानिश को 20 अक्टूबर को नागपुर में गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में नागपुर पुलिस ने लखनऊ पुलिस और उत्तर प्रदेश एसटीएफ की मदद की। तीनों घटना के बाद से फरार बताए जा रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने प्रत्येक आरोपित के बारे में



जानकारी देने वाले को 50 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। नागपुर जिला अदालत ने 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद अब पुलिस तीनों को लखनऊ ले जा रही है, ताकि संबंधित मामले में आगे की जांच और पूछताछ की जा सके। यह मामला लखनऊ के कैफे कारोबारी शिवा शर्मा की मौत से जुड़ा है। हजरतगंज थाना क्षेत्र में 9 अक्टूबर को एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के बाद उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद उनकी मां रंजना

शर्मा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बेटे की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद से पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। सामने आई जानकारी के अनुसार, शिवा शर्मा और श्रद्धा दुबे के बीच करीबी संबंध थे। शिवा के परिजनों ने श्रद्धा सहित अन्य लोगों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। इस मामले में आत्महत्या की आशंका से जुड़ी बातें भी सामने आई हैं। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों और उसमें शामिल लोगों की भूमिका की आधिकारिक पुष्टि जॉच के बाद ही हो सकेगी। नागपुर से तीनों आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद अब जांच की दिशा और पुलिस पूछताछ से मिलने वाले तथ्यों पर सबकी नजर रहेगी।

श्री केदारनाथ धाम यात्रा सुचारु, अब तक 17.75 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी, देहरादून

श्री केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 11 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। वर्तमान में यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो रही है। विगत एक सप्ताह से मौसम अनुकूल रहने के कारण यात्रा व्यवस्थाएं सामान्य बनी हुई हैं। हेली सेवाओं का संचालन भी सुचारु रूप से किया जा रहा है। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष की यात्रा में अब तक 17,75,059 श्रद्धालु श्री केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा के दर्शन कर चुके हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि यात्रा के शेष दिनों में भी देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को निरंतर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे उनकी यात्रा सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनी रहे। उन्होंने बताया कि धाम में हल्की बर्फबारी होने के साथ ही तापमान में भी लगातार गिरावट आ रही है। ऐसे में श्रद्धालुओं को मौसम के अनुरूप आवश्यक तैयारियों के साथ यात्रा करने की जरूरत है। उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों से अपील की कि श्री केदारनाथ धाम की यात्रा पर आने से पूर्व मौसम की जानकारी अवश्य प्राप्त करें व पर्याप्त गर्म कपड़े, आवश्यक सामग्री एवं अपनी जरूरत की दवाइयां साथ लेकर आएँ।

मात्र : मुख्यमंत्री की घोषणा - अब

राहीद पुलिसकर्मी की पत्नी और

माता-पिता को मिलेगे 50-50 लाख

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश में ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को मिलने वाली एक करोड़ रुपये की सहायता राशि अब केवल पत्नी को नहीं, बल्कि उनके बुजुर्ग माता-पिता को भी दी जाएगी। सरकार ने सहायता राशि का 50 फीसदी शहीद की पत्नी और 50 फीसदी नके बुजुर्ग माता-पिता को देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित समारोह में संबोधित करते हुए यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है।



बालाघाट के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात रहे और कई मुठभेड़ों में वीरता और सूझबूझ का परिचय दिया। उनके बलिदान के बाद मध्यप्रदेश पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियानों को और गति दी।

डीजीपी के मुताबिक, वर्ष 2025 नक्सल विरोधी अभियानों की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। मानसून के दौरान भी अभियान जारी रहे। इसी वर्ष सबसे अधिक मुठभेड़ और आत्मसमर्पण हुए। इस दौरान 110 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिए गए। दिवंगत निरीक्षक आशीष शर्मा के भाई को अनुकंपा नियुक्ति भी दी गई है। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस ने कार्ययोजना तैयार कर अभियान चलाया। उनके अनुसार, मध्य प्रदेश 11 दिसंबर 2025 को सितंबर, 2025 से 31 अगस्त, 2026 के बीच मध्य प्रदेश पुलिस के 9 अधिकारी-कर्मचारी कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, समर्पण और त्याग का संकल्प है। शहीदों के परिवार पुलिस परिवार का हिस्सा हैं और उनका ध्यान रखना पुलिस विभाग की नैतिक जिम्मेदारी है। डीजीपी ने हाँक फोर्स के दिवंगत निरीक्षक आशीष शर्मा के बलिदान का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि आशीष शर्मा लंबे समय तक

पुलिस संस्मरण दिवस पर 154 शहीदों को नमन, झारखंड के तीन जवान शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : देश की सुरक्षा और आम लोगों की रक्षा करते हुए प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों की स्मृति में बुधवार को झारखंड के विभिन्न जिलों में पुलिस संस्मरण दिवस मनाया गया। रांची स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस-1 में आयोजित परेड में एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए देशभर के 154 पुलिस अधिकारियों और जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। इनमें झारखंड के तीन जवान भी शामिल हैं। पुलिस महानिदेशक तदशा मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर जवानों के बलिदान को नमन किया।

इस अवधि में झारखंड के पुलिस अवर निरीक्षक हेमंत भगत, आरक्षी सुनील राम और आरक्षी संतोष कुमार मेहता कर्तव्य के दौरान शहीद हुए। सुनील राम और संतोष कुमार मेहता चार सितंबर 2025 को पलामू जिले के मनावू थाना क्षेत्र के केदल गांव में पुलिस और टीएसपीसी नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में शहीद हुए थे। वहीं, दुमका में तैनात हेमंत भगत 31 दिसंबर 2025 को शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के बाद बाधित सड़क को खाली कराने के दौरान शहीद हो गए थे।

समारोह को संबोधित करते हुए डीजीपी तदशा मिश्रा ने कहा कि पुलिस की नौकरी कठिन और



तनावपूर्ण है। इसके बावजूद जवान पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं और जरूरत पड़ने पर देश तथा समाज की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देते हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों के योगदान को याद रखने और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए देशभर में पुलिस संस्मरण दिवस मनाया जाता है।

जारी सूची के अनुसार, इस अवधि में बिहार के 12 जवान भी शहीद हुए। सीमा सुरक्षा बल के 25 जवानों ने भी कर्तव्य निर्वहन के दौरान प्राण गंवाए। मध्य प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में नौ-नौ तथा असम और छत्तीसगढ़ में छह-छह जवान

शहीद हुए।

रांची के टेंडरग्राम स्थित झारखंड जगुआर (एसटीएफ) मुख्यालय में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। आईजी अनूप बिरथरे और डीआईजी इन्द्रजीत महथा ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किए। जवानों ने शस्त्र झुकाकर सलामी दी और दो मिनट का मौन रखा।

गढ़वा पुलिस लाइन में एसपी आशुतोष शेखर सहित पुलिस अधिकारियों और जवानों ने श्रद्धांजलि दी। इस दौरान नक्सली हिंसा में शहीद इंस्पेक्टर राजबली चौधरी की पत्नी और बेटों को



सम्मानित किया गया। पाकुड़ पुलिस लाइन में एसपी अनुदीप सिंह और डीएसपी उज्ज्वल साह की मौजूदगी में परेड आयोजित की गई। जवानों ने शहीदों को सलामी दी और दो मिनट का मौन रखा।

बोकारो पुलिस केंद्र में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के साथ उनके परिजनों को पौधे और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। एसपी वेदांत शंकर ने परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। धनबाद पुलिस केंद्र में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, सिटी एसपी नृत्तिक श्रीवास्तव और ग्रामीण

एसपी एस. मोहम्मद याकूब सहित अन्य अधिकारियों ने शहीदों को नमन किया। इस दौरान शहीद परिवारों को सम्मानित किया गया।

जमशेदपुर के गोलमुरी स्थित पुलिस केंद्र में वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. एहतेशाम वकारिब ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उनके परिजनों को पुष्पगुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया गया। विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान पुलिस अधिकारियों ने शहीदों के परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके सहयोग और कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

रांची में नाबालिग से दुष्कर्म के बाद हत्या, आरोपित गिरफ्तार

रांची : रांची के मुरी ओपी क्षेत्र के सिल्ली में 17 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मारदू गांव निवासी भगवत महतो उर्फ भगवान दास के रूप में हुई है। डीएसपी मनीष चंद्रलाल ने बुधवार को बताया कि भगवान दास के खिलाफ दुष्कर्म के अलावा पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसकी निशानदेही पर मोबाइल व कपड़े बरामद किया गया है। उल्लेखनीय है कि गत 18 अक्टूबर की रात युवती मेला घूमकर लौट रही थी। लेकिन वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश की। उसका शव छापरागढ़ा स्थित जंगल से बरामद किया गया था। आरोप है कि मेला से लौटते वक्त रास्ते में ही भगवान दास ने युवती के साथ पहले दुष्कर्म किया, फिर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उसने शव को जंगल में फेंक दिया और खुद गायब हो गया। घटना के बाद सिल्ली इलाके में आक्रोश व्याप्त हो गया। पुलिस ने आरोपित का पता लगाने और गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने दो दिनों के भीतर आरोपित भगवान दास को गिरफ्तार कर लिया। भगवान दास ने पुलिस को बताया है कि उसने फोन करके युवती को बुलाया था। फिर उसके साथ संबंध बनाया और उसकी हत्या कर दी। टीम में मुरी ओपी प्रभारी विकास कुमार पासवान, सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे। जांच में पुलिस केंद्र रांची की स्निफर डॉग टीम और एफएसएल मोबाइल वैन टीम की भी मदद ली गई।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर कराई पति की हत्या, दोनों गिरफ्तार



पुलिस के अनुसार, प्रेम प्रसंग में नरेश की हत्या को साजिश रची गई थी। हत्या के बाद दोनों शदी करना चाहते थे।

कोडरमा एसपी कुमार शिवशीष ने बताया कि चौपारण निवासी नरेश ठाकुर 10 अक्टूबर को कोलकाता जाने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में तबीयत खराब होने पर उनके दोस्त और झोलाछाप चिकित्सक सुनील ठाकुर ने इलाज के बहाने उन्हें अपने क्लीनिक बुलाया। पुलिस के मुताबिक, सुनील ने कीटनाशक से भरा इंजेक्शन लगाकर नरेश की हत्या कर दी। इसके बाद शव को क्लीनिक में बोरे में बंद कर रखा और मौका मिलने पर बंद पड़े पथर खदान के पास फेंक दिया।

17 अक्टूबर को पुलिस ने खदान के पास से नरेश का शव बरामद किया। इससे पहले उनकी पत्नी किरण देवी ने चौपारण थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें कथित साजिश और हत्या में पत्नी की भूमिका सामने आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी के अनुसार, किरण देवी और सुनील ठाकुर के बीच वर्ष 2019 से प्रेम संबंध थे। पुलिस का कहना है कि दोनों ने नरेश की हत्या के बाद शादी करने की योजना बनाई थी। आरोपियों ने हत्या के बाद नरेश का मोबाइल और पर्स अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया था, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया है।।

झारखंड के सभी पुलिस पदाधिकारियों से अनुरोध

कि वो अपने थानों की उपलब्धियां **‘अभिरक्षक लोक’** मे प्रकाशनार्थ दैनिक स्तर पर सीधे हमारे

Whatsapp पर भेजें

8873319159

॥धन्यवाद!

आपकी उपलब्धियां, जनता तक – अभिरक्षक लोक के माध्यम से

रांची में आज से अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता, 29 टीमें लेंगी हिस्सा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : झारखंड पुलिस की मेजबानी में 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता-2026 का आयोजन 22 से 26 अक्टूबर तक रांची के खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के पुलिस संगठनों और केंद्रीय पुलिस संगठनों की 29 टीमें हिस्सा लेंगी। कुल 432 खिलाड़ी 37 स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन 22 अक्टूबर को सुबह 10 बजे बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, खेलगांव में होगा। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। वहीं, 26 अक्टूबर को दोपहर 2:30 बजे आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरोन शामिल होंगे।

झारखंड तीसरी बार इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2013

बोकारो में डांडिया नाइट्स की अत्यवस्था पर कार्रवाई, तीन युवकों पर प्राथमिकी; आयोजक प्रतिबंधित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सेक्टर-5 स्थित मानसरोवर गार्डन में आयोजित डांडिया नाइट्स कार्यक्रम में भारी भीड़ और अव्यवस्था के मामले में सेक्टर-6 थाना पुलिस ने तीन युवकों राहुल कुमार, करन कुमार और अभि विश्वकर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं, चास के एसडीएम प्रंजल ढांडा ने संबंधित आयोजक पर जिला प्रशासन की ओर से प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में आयोजक को किसी भी कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी। बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने भी मामले को गंभीरता से लिया है।

प्राथमिकी के अनुसार, 18 अक्टूबर की रात करीब 8:50 बजे पुलिस को सूचना मिली कि मानसरोवर गार्डन में आयोजित डांडिया नाइट्स में बड़ी संख्या में लोग जुटे हैं और भीड़ के कारण विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसके बाद सेक्टर-6 थाना में सनहा दर्ज कर वरीय अधिकारियों को सूचना दी गई और पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया।

सेक्टर-6 थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक विक्रान्त कुमार के अनुसार, वह रात करीब 9:05 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचे। वहां हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे मौजूद थे। मुख्य द्वार के बाहर भारी भीड़ जमा थी, जबकि अंदर भी बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। इससे अफरा-तफरी की स्थिति बनने की आशंका जताई गई। पुलिस



और 2016 में भी राज्य में इसका आयोजन हो चुका है। प्रतियोगिता में रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड की पुरुष एवं महिला स्पर्धाओं के अलावा व्यक्तिगत और टीम मुकाबले होंगे।

पहले दिन रिकर्व पुरुष वर्ग की 70 मीटर और कंपाउंड महिला वर्ग की 50 मीटर स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। 23 और 24 अक्टूबर को विभिन्न वर्गों के मुकाबले और एलिमिनेशन राउंड होंगे। 25 अक्टूबर को व्यक्तिगत एवं मिश्रित

टीम स्पर्धाओं के पदक मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 26 अक्टूबर को पुरुष एवं महिला टीम वर्गों के फाइनल होंगे।

प्रतियोगिता के सुचारु संचालन के लिए 16 समितियों और उप-समितियों का गठन किया गया है। व्यवस्थापक समिति की अध्यक्ष झारखंड की डीजीपी तदशा मिश्रा हैं, जबकि अपर पुलिस महानिदेशक प्रिया दुबे संगठन सचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

बोकारो में पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर बुधवार को पुलिस केंद्र बोकारो में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान बोकारो जिला बल के शहीद जवानों के बलिदान को याद किया गया और झारखंड के इस वर्ष शहीद हुए तीन जवानों के नाम पढ़कर उन्हें नमन किया गया।

पुलिस संस्मरण दिवस 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सेना के हमले में शहीद हुए 10 भारतीय पुलिसकर्मियों की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन देशभर में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी जाती है।

कार्यक्रम में शहीद जवानों के परिजनों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। एसपी वेदांत शंकर ने परिजनों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया। शहीदों को सलामी सार्जेंट दीना हंसदा ने दी।

इस अवसर पर मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार, सीसीआर डीएसपी राम प्रवेश कुमार, ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद, सार्जेंट मेजर



प्रणव कुमार, सार्जेंट मेजर-2 जॉय प्रभाकर लकड़ा, चास इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी दिनेश कुमार, सेक्टर-6 इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विक्रान्त

कुमार और सार्जेंट शिव प्रसाद महतो सहित पुलिस एसोसिएशन एवं पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

शराब के पैसे नहीं देने पर युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : माराफारी थाना क्षेत्र की झोपड़ी कॉलोनी में अमित कुमार की हत्या के मामले में पुलिस ने सूरज कुमार उर्फ भूरा (28) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, नशा करने के लिए पैसे मांगने और नहीं मिलने पर हुर्र विवाद में हत्या की गई। घटनास्थल से मिले कपड़ों और अन्य सामानों, डॉग स्कॉड तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामले का खुलासा किया।

17-18 अक्टूबर की रात बीएसएल झोपड़ी कॉलोनी के डोमपाड़ा के नीचे खाली जगह से अमित कुमार का शव बरामद हुआ था। इसके बाद माराफारी थाना में कॉड संख्या 85/2026 दर्ज कर

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई। जांच के दौरान घटनास्थल से एक लाल गमछा, चप्पल, 'हर हर महादेव' लिखा गंजी और मृदाक का मोबाइल फोन बरामद किया गया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने गमछा, चप्पल और गंजी की पहचान अपने सामान के रूप में की। उसकी मां और दोनों बहनों ने भी पुलिस को बताया कि घटना की रात वह 'हर हर महादेव' लिखा गंजी और लाल गमछा पहने हुए था। परिजनों के अनुसार, सूरज रातभर घर नहीं लौटा था और सुबह वापस आने पर उसके शरीर के ऊपरी हिस्से पर कपड़े नहीं थे। उसकी बहन ने यह भी बताया कि वह उस रात डोमपाड़ा के नीचे की ओर एक गढ़ा फेंकने गया था। पुलिस का दावा है कि

आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार किया है।

गिरफ्तार सूरज कुमार उर्फ भूरा, नन्हक राम का पुत्र है और बीएसएल झोपड़ी कॉलोनी के डोमपाड़ा क्षेत्र का निवासी है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ माराफारी थाना में वर्ष 2019 और 2022 में भी मामले दर्ज हैं।

छापेमारी दल में माराफारी थाना प्रभारी संजय कुमार, बालीडीह ओपी प्रभारी आनंद आजाद, पुलिस अवर निरीक्षक सतेन्द्र पासवान, सहायक अवर निरीक्षक अरविन्द प्रसाद, उमेश सिंह और रमेश हांसदा सहित तकनीकी शाखा के आरक्षी कमेश्वर महतो तथा अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

चोरी के 13 मामलों का खुलासा, सात आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गिरिडीह : जिले में चोरी की घटनाओं की जांच के लिए गठित विशेष छापेमारी दल ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से करीब 24.5 ग्राम पिघलाया हुआ सोना, चांदी की पायल, 25 हजार रुपये नकद, कांसा-पीतल के बर्तन, दो गैस सिलेंडर, तीन मोबाइल फोन और चोरी में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिल समेत कई सामान बरामद किए हैं। पुलिस ने सरिया, धनवार, बिरनी और बगोदर थाना क्षेत्रों में चोरी के 13 मामलों का खुलासा करने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार, लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई थी। इसी क्रम में 16 अक्टूबर की रात सरिया थाना और भरकट्टा ओपी की गश्ती टीम ने बागोडीह में चोरी कर भाग रहे आरोपियों का पीछा किया। मौके से एक पल्सर मोटरसाइकिल, ताला तोड़ने का लोहे का औजार और एक की-पैड मोबाइल बरामद हुआ, जबकि आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। बागोडीह निवासी शांति की शिकायत पर सरिया थाना में कॉड संख्या 159/2026 दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी और अन्य सूचनाओं के आधार पर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कन्हैया कुमार सिंह, सुजीत कुमार सिंह के खिलाफ धनवार थाना



सिंह, कृष्ण कुमार, संतोष प्रसाद, हर्ष कुमार, अनिल वर्मा और राजेश कुमार कसैरा के रूप में हुई हैं। सभी धनवार और राजधनवार क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर करीब 24.5 ग्राम पिघलाया हुआ सोना बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 3.70 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा एक चांदी की पायल, नकदी, करीब 25 किलोग्राम कांसा-पीतल के बर्तन, दो गैस सिलेंडर, तीन मोबाइल फोन और एक बुलेट मोटरसाइकिल भी बरामद हुई हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में कुछ के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। कन्हैया कुमार सिंह और सुजीत कुमार सिंह के खिलाफ धनवार थाना

में पुराने मामले दर्ज हैं। सुजीत कुमार सिंह के खिलाफ हीरोडीह थाना में भी एक मामला दर्ज होने की जानकारी दी गई है। पुलिस ने जिन 13 मामलों का उद्घेदन किया है, उनमें सरिया थाना के पांच, धनवार थाना के दो, बिरनी थाना के चार और बगोदर थाना के दो मामले शामिल हैं। कार्रवाई में बगोदर-सरिया के एसडीपीओ धनंजय राम, खोरीमहुआ के एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार, पुलिस निरीक्षक अजय कुमार, सरिया थाना प्रभारी पिकू कुमार सिंह, धनवार थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार, बिरनी थाना प्रभारी आकाश भारद्वाज और भारकट्टा ओपी प्रभारी ओमप्रकाश पांडेय सहित संबंधित थानों के पुलिसकर्मी और तकनीकी शाखा की टीम शामिल रही। पुलिस ने कहा कि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अभियान जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

11 दिनों का संग्राम खत्म, प्रेम महतो के भाई को मिलेगी नौकरी, मैराथन त्रिपक्षीय वार्ता में बनी सहमति

चतुर्थवर्गीय नियोजन व अप्रेंटिस समायोजन का रास्ता साफ, विस्थापितों का अनशन समाप्त

बोकारो : इस्पातनगरी बोकारो में पिछले ग्यारह दिनों से सुलग रहा विस्थापित आंदोलन का भीषण बवंडर आखिरकार थम गया है। प्लांट के गेटों की नाकेबंदी, उत्पादन ठप होने से प्रतिदिन 30 करोड़ रुपए के नुकसान का संकट, गैस पाइपलाइनों की सुरक्षा पर मंडरता खतरा और हाईकोर्ट की तत्त्व ह्दियायतों के बीच चल रहा हाई-वोल्टेज गतिरोध आखिरकार बुधवार को टूट गया। बोकारो निवास में उपयुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में सेल-बीएसएल प्रबंधन, जिला प्रशासन और आंदोलनकारी विस्थापित प्रतिनिधियों के बीच घंटों चली उच्चस्तरीय त्रिपक्षीय वार्ता बेहद सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई। वार्ता की मेज पर मांगों पर सहमति की मुहर लगते ही बोकारो विधायक ने मीडिया के सामने इसे विस्थापितों के त्याग और अटूट संघर्ष की ऐतिहासिक जीत करार देते हुए अनशन समाप्त करने का औपचारिक ऐलान किया। इसके साथ ही पूरे शहर, उद्योग जगत और आम नागरिकों ने राहत की गहरी सांस ली है।

बोकारो निवास में बंद कर्मों में हुई इस निर्णायक मैराथन बैठक में विस्थापितों के भविष्य से जुड़े बुनियादी सवालों पर बिंदुवार चर्चा हुई। विस्थापितों के चतुर्थवर्गीय पदों पर नियोजन, पूर्व से चली आ रही विस्थापित आरक्षण व्यवस्था को पुनर्जीवित करने और बीएसएल से प्रशिक्षित अप्रेंटिस युवाओं को प्लांट के भीतर स्थायी रूप से समाहित करने के मुद्दे पर प्रबंधन और प्रशासन का रुख बेहद लचीला और सकारात्मक रहा।

फैसले की जानकारी देते हुए बताया गया कि वह अगले सात दिनों के भीतर विस्थापितों की इन तमाम मांगों का एक ठोस और सुविचारित प्रस्ताव औपचारिक रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक की मिनट्स यानी आधिकारिक कार्यवाही विवरण को सेल प्रबंधन सीधे अपने चेयरमैन और केंद्रीय इस्पात मंत्रालय को भेगा, वहीं दूसरी ओर उपयुक्त अजय नाथ झा इसे राज्य के मुख्य सचिव और गृह सचिव को प्रेषित करेंगे, ताकि राज्य और केंद्र के शीर्ष स्तर पर स्थायी नीति निर्माण (पॉलिसी मेकिंग) की विधिक प्रक्रिया को बिना किसी अड़चन के पूरा किया जा सके।

इस समझौते का सबसे अहम पहलू जवाबी कार्रवाई में गत वर्ष सीआईएसएफ लाटीचार्ज के दौरान अपनी जान गंवाने वाले विस्थापित भूमि दाता स्वर्गीय प्रेम महतो के परिवार से जुड़ा रहा। आंदोलनकारी शुरू से ही शहीद के आश्रित को नौकरी देने की मांग पर अड़े थे और टूट-टूक गांधी में प्रेम महतो की बुजुर्ग मां गोमती देवी की तबीयत भी बिगड़ गई थी। त्रिपक्षीय वार्ता में प्रबंधन ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए शहीद प्रेम महतो के भाई को नियोजन देने पर अपनी अंतिम सहमति दे दी। इस फैसले की खबर जैसे ही अनशन स्थल पर पहुंची, धरने पर बैठे विस्थापित युवाओं और परजनों की आंखें नम हो गईं और पूरा माहौल 'माटी के हक की जय' के नारों से गूंज उठा। बैठक में सेल के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी सहित विस्थापित संगठनों के प्रमुख नेता मौजूद रहे।

समस्याओं से भागना नहीं, संवाद ही रास्ता: उपयुक्त अजय नाथ झा बैठक के बाद उपयुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट किया कि प्रशासन हमेशा से समस्याओं का शांतिपूर्ण हल चाहता था और चार दौर की वार्ता के बाद यह सकारात्मक निष्कर्ष सामने आया है। डीसी ने कहा कि किसी को भी समस्याओं से भागना नहीं चाहिए और बीएसएल प्रबंधन विस्थापितों के न्यायोचित मुद्दों के स्थानीय समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध होकर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि विधायक द्वारा जो भी औपचारिक प्रस्ताव दिया जाएगा, प्रबंधन उसे अपनी कार्यवाही में शामिल करते हुए तत्काल आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति का सम्मान है, लेकिन टकराव के बजाय टेबल टॉक से ही बड़े गतिरोध दूर होते हैं। विधायक श्वेता सिंह ने पूरी तरह संतुष्टि जताते हुए कहा कि जिस पवित्र संकल्प और जनभावना के साथ विस्थापित युवा और माताएं आमरण अनशन पर बैठी थीं, उसमें एक बड़ा और ठोस मुकाम हासिल हुआ है। उन्होंने कहा कि दशकों से बंद पड़े नियोजन नीति के बंद दरवाजे अब पूरी तरह खुल चुके हैं और भूख हड़ताल में शामिल सभी आंदोलनकारियों ने सर्वसम्मति से इस निर्णय का स्वागत करते हुए अनशन खत्म करने पर सहमति दी है।

चाय-मिठाई दुकान पर मारपीट के बाद तोड़फोड़: पैसे मांगने पर हुआ विवाद

बोकारो: बोकारो के व्यस्त नया मोड़ इलाके में चाय के पैसे मांगने को लेकर उपजे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां मारपीट के बाद एक दुकान में तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। इस घटना के बाद सिटी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जाँच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नया मोड़ स्थित संतोष कुमार की दुकान पर एक युवक द्वारा चाय पीने के बाद जब पैसे मांगे गए, तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि बहस बढ़ने पर दुकानदार ने एक युवक की पिटाई कर दी। इस बात से आक्रोशित होकर युवक के अन्य साथी दुकान में घुस आए और जमकर तोड़फोड़ की। इस पूरी घटना में एक युवक घायल हो गया, जबकि अन्य मौके से फरार होने में सफल रहे। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और भीड़ को खड़ेखड़ स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित किया।

शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील इलाकों में शुमार नया मोड़ में हुई इस घटना ने स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह है कि घटनास्थल से महज कुछ ही दूरी पर ट्रेफिक थाना स्थित होने के बावजूद उपद्रवियों ने दुकान में तोड़फोड़ की इस वारदात को अंजाम दिया। हालाँकि, पुलिस की ओर से अभी तक किसी की गिरफ्तारी या अन्य औपचारिक कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। गौरलतब है कि नया मोड़ इलाके में चाय दुकान के पास इस तरह की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले बीते 19 सितंबर को भी नया मोड़ के एक अन्य चाय दुकान पर पुलिस के पास दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। उस समय चाय कपड़ों पर गिरने को लेकर मामूली विवाद सामने आया था, जबकि दूसरे पक्ष ने एक युवक को जबरन अगवा करने या ले जाने का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया था। उस मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की थी और त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था। फिलहाल, ताजा मामले में पुलिस विवाद की असली वजह तलाशने के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से घटना में शामिल सभी युवकों की पहचान करने में जुटी है।

चास में युवक की पिटाई, रस्सी से बांधकर घसीटने का आरोप; वीडियो वायरल

बोकारो : चास थाना क्षेत्र के चेकपोस्ट पर राज पांडेय नामक युवक की एक दस्ते ने अधिक लोगों द्वारा कथित तौर पर पिटाई करने और बाद में रस्सी से बांधकर घसीटने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है। जानकारी के अनुसार, सुझान मिलने पर चास पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए चार अस्पताल में भर्ती कराया। राज पांडेय का आरोप है कि 10 से अधिक लोगों ने अचानक उस पर हमला कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। हालाँकि, मारपीट की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। वहीं, पुलिस के अनुसार, घटना से एक दिन पहले युवक द्वारा कथित तौर पर नशे की हालत में एक अन्य युवक पर तलवार से हमला करने की कोशिश किए जाने की बात सामने आई है। फिलहाल, पुलिस ने पूरे मामले में विस्तृत आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। घटना की पुष्टभूमि और मारपीट में शामिल लोगों की भूमिका को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

बोकारो में दुर्गापूजा धूमधाम से संपन्न, नौ दिनों तक उमड़ा रहा आस्था व उमंग का सैलाब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : आदिशक्ति जगतजननी जगदम्बा की आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्र (दुर्गापूजा) बोकारो, उपशहर चास एवं आसपास के इलाका सहित पूरे जिले में सोल्लास संपन्न हो गया। लगातार नौ दिनों तक विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा करने के बाद विजयादशमी को बोकारो के कई पूजा-स्थलों पर स्थापित प्रतिमाएं विसर्जित कर दी गयीं। बुधवार को बंग भारती, चक्की मोड़, कालीबाड़ी, थाना मोड़ समेत विभिन्न जगहों पर स्थापित मां दुर्गा एवं अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं निकटवर्ती जलाशयों व नदियों में विसर्जित की गयीं। भक्तों ने अगले बरस मां को फिर आने का न्योता देकर नम आंखों से भावपूर्ण विदाई दी। बंगाली रीति के अनुसार सेक्टर-1सी, चक्की मोड़, कालीबाड़ी, बंग भारती आदि जगहों पर महिलाओं ने सिंदूर खेला के साथ सदा सुहृगन रहने की कामना करते हुए मां जगदंबा को विदाई दी।

दुर्गापूजा के अवसर पर पूरे नौ दिनों तक लगातार जहां शहर में मैया के भक्तिमय गीत



तथा जय-जयकार गुंजते रहे, वहीं वैदिक मंत्रोच्चार से भी वातावरण आध्यात्मिक व भक्तिमय बना रहा। हर साल की भांति इस बार भी दुर्गापूजा पर पंडालों की साज-सज्जा अपने-आप में अनूठी रही, जहां आस्था के साथ-साथ पूजा का उमंग छाया रहा। षष्ठी-सप्तमी को पंडालों के पट खुलने के बाद से लेकर विजयादशमी तक पंडालों में लाखों-लाख श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा रहा। लोगों ने मां दुर्गा के दर्शन कर पूजा कर खुशियाली की जहां कामना की, वहीं मेलों का आनंद भी लिया। इधर, सेक्टर-4ई में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय

■ सिंदूरखेला और प्रतिमा-विसर्जन के साथ जगतजननी को दी गई भावभीनी विदाई

रहा है, तो किस्मत आजमाने का खेल खेल रहा है। बच्चे खिलौने व झूले के पीछे लगे हैं, तो महिलाएं व युवतियां श्रृंगार के सामान खरीदने में लगी हैं। इसके अलावा रसोई, घरेलू साज-सज्जा आदि वस्तुओं के स्टॉल आकर्षण का केन्द्र बने हैं।

बोकारो थर्मल में धूमधाम से मनी दुर्गापूजा, नम आंखों से मां को विदाई- बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल क्षेत्र में शारदीय दुर्गा पूजा का महापर्व अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हो गया। बुधवार को बोकारो क्लब, पंचमंदिर और कारो स्पेशल फेज-2 पूजा समितियों की ओर से मां दुर्गा

शहरवासियों को लुभा रहे आकर्षक पंडाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बता दें कि इस बार सेक्टर-12 ई (लाल चौक मैदान) में ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित बोमीखाल के मशहूर 'हस्तिनापुर पैलेस', सेक्टर-9 स्थित वैशाली मोड़ मैदान में एआई से डिजाइन किए गए 'महोदशेवर मंदिर', सेक्टर-2सी में नासिक के प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर, चास की बिहार कॉलोनी में पटना के महावीर मंदिर, सेक्टर-9, आलोक मैदान में जोधपुर के सुप्रसिद्ध उम्मेद भवन पैलेस की अनुकृति वाले आकर्षक पूजा पंडाल बनाए गए हैं। पंडालों की खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां आने वाला लगभग हर शख्स पंडाल की तस्वीरें फोन व कैमरे में कैद करता नजर आया। कोई अकेला खड़ा हो सेल्फी लेता रहा तो कोई पूरे परिवार की फोटो पंडाल के साथ लेता रहा। यहां के पंडालों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी खूब छापी रही।

बांस की चटाई से बना दिया 80 फीट ऊंचा पंडाल, सूप-दउरा से सजावट- शारदीय नवरात्र पर चार दशकों से अधिक पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस बार ग्रामीण हस्तशिल्प और 'वोकल फॉर लोकल' की थीम पर 80 फीट ऊंचा और 100 फीट चौड़ा भव्य पूजा पंडाल तैयार किया गया है। पूरे पंडाल को बांस की चटाइयों, पारंपरिक सूप, दउरा और नक्काशीदार टोकरियों



से सजाकर ठेठ ग्रामीण परिवेश का जीवंत रूप दिया गया है। पंडाल निर्माण में पचौरा गांव की 10 से 20 महिलाओं ने दिन-रात मेहनत कर चटाई, सूप और टोकरियां तैयार कीं, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक संबल मिला है। पंडाल की सीलिंग को सुंदर साइडों और टोकरियों में सजी लाइटों से आकर्षक रूप दिया गया है। पंडाल के भीतर चास के मूर्तिकार द्वारा निर्मित मां दुर्गा की 11 फीट ऊंची दिव्य प्रतिमा स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण और आस्था का मुख्य केंद्र बनी हुई है।

न्याय की मांग पर सतीश जायसवाल का 16वें दिन भी आमरण अनशन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अनुमंडल पदाधिकारी, चास के न्यायालय के समीप सतीश जायसवाल का अनिश्चितकालीन आमरण अनशन बुधवार को 16वें दिन भी जारी रहा। वह छह अक्टूबर से न्यायालय की कथित प्रक्रियागत अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं और न्याय की मांग को लेकर सड़क किनारे अनशन पर बैठे हैं। सतीश जायसवाल का आरोप है कि अनुमंडल पदाधिकारी चास के न्यायालय में लंबित जेबीसी वाद संख्या 35/2022 और 42/2022 में शपथपत्र सहित उनके बयान तथा विभिन्न तारीखों पर व्यक्तितगत रूप से उपस्थित होकर दाखिल किए गए गवाही संबंधी हाजिरी आवेदनों का उल्लेख आदेश पत्र में नहीं किया गया। इसके बावजूद उन्हें



अनुपस्थित दर्शाकर उनकी गवाही बंद कर दी गई। उनका दावा है कि गवाही दोबारा शुरू कराने के लिए सीपीसी की धारा 151 के तहत आवेदन देने के बाद भी इस पर उचित आदेश पारित नहीं किया गया। उन्होंने जेबीसी वाद संख्या 36/2025 में भी अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करने, विपक्ष किरायेदार के विवादित शपथपत्र को कथित तौर पर पिछली तारीख से अभिलेख में शामिल करने और उसका जवाब दाखिल करने का अवसर

नहीं देने के आरोप लगाए हैं। जायसवाल का कहना है कि इन कथित अनियमितताओं से विपक्षी पक्ष को अनुचित लाभ मिला और उन्हें आर्थिक व कानूनी नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य और दस्तावेज उपलब्ध होने का दावा भी किया है। सतीश जायसवाल ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल, मुख्य सचिव, संबंधित प्रधान सचिव, कार्मिक विभाग तथा बोकारो के उपयुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी और पुलिस अधीक्षक

से तीनों जेबीसी वादों के संपूर्ण न्यायालय अभिलेख, आदेश पत्र, हाजिरी आवेदन, शपथपत्र और अन्य संबंधित दस्तावेजों की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है।

उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी प्रॉजल ढांडा की भूमिका की जांच कर दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने और अपनी वैध मांगों में उचित निर्णय लेने की अपील की है। जायसवाल ने कहा है कि जब तक उनकी मांगों पर निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई नहीं होती, उनका आमरण अनशन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जांच में उनके आरोप गलत पाए जाने पर वह स्वयं अपने विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई और जेल जाने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित अधिकारियों का पक्ष उपलब्ध नहीं है।

पत्नी कल्पना ने बीच रास्ते होटल पर बनाई चाय और सीएम हेमंत सोरेन ने ली चुस्की

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम और सादगी भरे अंदाज में अपनी धर्मपत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ कसमार प्रखंड का औचक दौरा किया। अपने पैतृक गांव नेमरा से साधारण पोशाक में निकले मुख्यमंत्री सीधे कसमार-बरलंगा सड़क की प्रगति देखने पहुंचे। उनके अचानक आगमन की भनक न तो जिला प्रशासन को थी और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों को। निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए जब मुख्यमंत्री कसमार के तीनकोनिया चौक पहुंचे, तो उन्हें सादगी से अपने बीच पाकर स्थानीय लोग हैरान रह गए और देखते ही देखते भारी भीड़ जुट गई।

तीनकोनिया चौक पर गाड़ी से उतरकर मुख्यमंत्री सीधे कुणाल जायसवाल की झोपड़ीनुमा चाय-नारते की दुकान पर पहुंच गए। उस समय दुकानदार स्वयं मुख्यमंत्री को देखने भीड़ में चला गया था। दुकान में पहुंचकर मुख्यमंत्री ने जब मुस्कुराते हुए पूछा कि दुकानदार कहां है भाई, तब भीड़ चीरते हुए कुणाल पहुंचा और हड़बड़ाहट में सीएम को



सोरेन नेमरा से जरीडीह, बोकारो और टुंडी जाने के लिए इसी रास्ते का उपयोग करते थे। पिता के इस ऐतिहासिक संघर्ष को सम्मान देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 26 दिसंबर 2021 को इस पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का शिलान्यास किया था। राज्य हाईवे अथॉरिटी (साज) के तहत गंगा कंस्ट्रक्शन द्वारा करीब 176.70 करोड़ रुपये की लागत से 27.306 किलोमीटर लंबे इस पथ का निर्माण दो-लेन पेव्ड शोल्डर के रूप में कराया जा रहा है। वन भूमि, गैर-मजराआ, खासमहल और डीम्ड फोरेस्ट की स्वीकृतियों व मुआवजे के पैच के कारण कार्य में विलंब हुआ था। निर्माण एजेंसी

के अधिकारी गुडू पाठक ने बताया कि वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलने के बाद वन क्षेत्र वाले 5 किलोमीटर हिस्से में भी दो माह पहले काम शुरू हो चुका है, जिसका 55 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने शेष चार किलोमीटर सड़क का काम भी तेज गति से पूरा कर आगामी एक वर्ष के भीतर समूची परियोजना को पूर्ण करने का कड़ा निर्देश दिया है। इस सड़क के बन जाने से बरलंगा से बोकारो का सफर गोला होकर तय होने वाले ढाई घंटे से घटकर मात्र एक घंटा रह जाएगा, जिससे कसमार, जरीडीह और आसपास के करीब 50 हजार ग्रामीणों को

स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार में सीधी सहूलियत मिलेगी।

सेवाती घाटी बनेगी आकर्षक पर्यटन स्थल, डीसी ने कल बुलाई बैठक- निरीक्षण के उपरांत वापसी के क्रम में मुख्यमंत्री ने पिरगुल होते हुए झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा पर स्थित सेवाती घाटी का बारीकी से अवलोकन किया। हरी-भरी पहाड़ियों, घने जंगलों और घुमावदार रास्तों से छिरी इस घाटी की अनुपम प्राकृतिक छटा को देखते हुए मुख्यमंत्री ने इसे एक बड़े पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने जिले के उपायुक्त को सेवाती घाटी के समग्र विकास का विस्तृत प्रस्ताव

की प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने कोनार नदी और फेज-2 स्थित तालाब में नम आंखों से जगतजननी को विदाई दी और अगले वर्ष पुन: जल्दी आने की भावुक प्रार्थना की। इससे पूर्व मंगलवार को डीवीसी ऑफिसर्स क्लब पूजा पंडाल की प्रतिमा का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ था। विसर्जन से पूर्व सभी पूजा पंडालों में महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन करते हुए मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया। इसके उपरांत महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्य की कामना की और 'सिंदूर खेला' की परंपरा निभाई। ढाक की गुंज और भक्ति गीतों के बीच निकली विसर्जन शोभायात्रा में खासकर बोकारो क्लब की प्रतिमा के साथ बड़ी संख्या में बंगाली महिला श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में कई प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। संपूर्ण पूजा और विसर्जन कार्यक्रम के दौरान बोकारो थर्मल थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल मुस्तैद रहा।

जरीडीह फोरलेन सड़क पर भीषण सड़क हादसा, बिना इंडिकेटर के खड़े ट्रक से टकराई दो लजरी कारें, एक युवक की मौत और सात गंभीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के फोरलेन सड़क पर टोल प्लाजा से लगभग आधा किलोमीटर आगे 18 अक्टूबर की देर रात करीब 12:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा ऐसा आया। सड़क पर बिना किसी पार्किंग लाइट या इंडिकेटर के खड़े एक नेकडाउन 407 मालवाहक ट्रक से पीछे से आ रही दो लजरी कारें टकरा गईं। इस भीषण दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और चार अन्य को मामूली चोटें आई हैं। मृतक की पहचान बालाडीह थाना क्षेत्र के कुर्मीडीह रेलवे टेम्पल कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय शिवम कुमार के रूप में हुई है, जो 'हैरियर' नामक कार में सवार था। मृतक के भाई रोशन

कुमार ने जानकारी दी कि शिवम पिछले डेढ़ वर्षों से रांची में गैस लाइन से जुड़ी एक प्रॉवैट नौकरी कर रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, फोरलेन पर एक ट्रक खराब होने के कारण बिना किसी सुरक्षा चेतावनी के खड़ा था। ट्रक में न तो कोई पार्किंग लाइट चला रही थी और न ही उसके आगे-पीछे सुरक्षा के लिहाज से कोई व्यक्ति मौजूद था। रात का अंधेरा अधिक होने के कारण सड़क पर खड़ा यह ट्रक दिखाई नहीं दिया। सबसे पहले पीछे से आ रही आई-20 कार ने उसे टक्कर मारी, और उसके तुरंत बाद पीछे से आ रही हैरियर कार भी नियंत्रण खोते हुए ट्रक से जा टकराई। कार चालकों ने ब्रेक लगाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन रफ्तार और अंधेरे के कारण वे दुर्घटना से बच नहीं सके।

दुर्घटनाग्रस्त हैरियर कार में कुल पाँच लोग सवार थे, जबकि आई-20 कार में छह लोग सवार थे। इस भीषण टक्कर के कारण हैरियर कार में सवार शिवम कुमार की मौत पर ही मौत हो गई। वहीं, बिट्टू कुमार सहित अन्य पाँच युवक गंभीर रूप से जखमी हो गए, जबकि चार अन्य युवकों को मामूली चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। वहीं, पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। दुर्घटना में शामिल ट्रक और दोनों क्षतिग्रस्त कारों को पुलिस ने जप्त कर लिया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

मछली पकड़ने के दौरान पैर फिसला पैर, युवक की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नारायणपुर गांव के सम्मानित और प्रतिष्ठित व्यक्तित्व चोलेश्वर महतो की मंगलवार को एक निजी तालाब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस असामयिक निधन से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीणों में गहरी शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10 बजे चोलेश्वर महतो अपने निजी तालाब में मछली पकड़ने के लिए जाल फेंक रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का तुरंत प्रयास

किया, लेकिन तब तक वे पानी में काफी अंदर डूब चुके थे। घटना के बाद ग्रामीण उन्हें आनन-फानन में तोपहर करीब 12 बजे बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जाँच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्वर्गीय चोलेश्वर महतो समाज में काफी सक्रिय और बेहद मिलनसार व्यक्तित्व थे। वे हमेशा गांव के प्रति उनके अमूल्य योगदान और उनके मिलनसार स्वभाव के कारण पूरे क्षेत्र में उनका विशेष सम्मान था। उनके निधन से गांव ने एक लोकप्रिय और मार्गदर्शक व्यक्तित्व को हमेशा के लिए खो दिया है।

तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार और सुरोजगार के अवसर पैदा हो सकें।

इधर, मुख्यमंत्री के निर्देश के तुरंत बाद बोकारो जिला प्रशासन हकत में आ गया है। उपयुक्त अजय नाथ झा ने मंगलवार शाम को ही पथिककारियों के साथ विमर्श कर सेवाती घाटी की पर्यटन संभावनाओं पर कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। उपयुक्त ने अपर समाहर्ता सुनील चंद्र को 23 अक्टूबर को जिला स्तरीय उच्चस्तरीय बैठक आयोजित करने का जिम्मा सौंपा है, जिसमें उप विकास आयुक्त, पथ निर्माण विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, विशेष प्रमंडल, बीडीओ, सीओ और संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता शामिल होंगे। सबसे पहले घाटी की भौगोलिक मैपिंग कराई जाएगी, जिसके आधार पर सुगम संपर्क पथ, पर्यटकों के बैठने, ठहरने, व्यू व्यूटाई और आवश्यक नागरिक सुविधाओं की रूपरेखा तय होगी। प्राकृतिक संतुलन और पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए सेवाती घाटी को राज्य के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की यह प्रशासनिक कवायद क्षेत्र के आर्थिक विकास में मील का पथर साबित होगी।

संक्षिप्त समाचार

44 साल बाद भी शहीद धनंजय महतो के परिवार को नौकरी का इंतजार



शहीद अजीत महतो



शहीद धनंजय महतो

चांडिल: झारखंड आंदोलन के दौरान 21 अक्टूबर 1982 को हुए तिरुलडीह गोलीकांड में शहीद धनंजय महतो के परिवार को 44 साल बाद भी सरकारी नौकरी मिलने का इंतजार है। विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो ने सरकार से शहीद के परिवार को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने की मांग की है। राकेश रंजन महतो ने कहा कि तिरुलडीह गोलीकांड में धनंजय महतो और अजीत महतो को शहादत झारखंड आंदोलन के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उस समय क्षेत्र को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस फायरिंग में दोनों की मौत हो गई थी। उनके अनुसार, शहीद धनंजय महतो की पत्नी बारी देवी और पुत्र उपेन महतो को सरकारी नौकरी सहित अन्य सुविधाएं देने का आश्वासन दिया गया था। परिवार के मुताबिक, वर्ष 2007 में तत्कालीन मंत्री बंधु तिवी और वर्ष 2009 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। हालांकि, अब तक परिवार को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकी है। राकेश रंजन महतो ने बताया कि पूर्व आजसू नेता और वर्तमान भाजपा नेता हरेलाल महतो ने शहीद के परिवार के लिए मकान बनवाया और उनके पुत्र उपेन महतो को अपने यहां काम दिया। उन्होंने इस सहयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारी स्तर पर किए गए आश्वासनों को पूरा करने की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से पुराने आश्वासनों की समीक्षा कर नौकरी का मामला लंबित रहने के कारणों को स्पष्ट करने और परिवार को सरकारी नौकरी देने के लिए ठोस कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी मिलेगी, जब उनके परिवारों को अधिकार और सम्मान देने के साथ उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भी कदम उठाए जाएं।

निमियाघाट दुर्गा मंदिर में पूजा समिति ने किया सम्मान समारोह

डुमरी: विजयदशमी के शुभ अवसर पर मंगलवार संध्या में निमियाघाट रेलवे स्टेशन स्थित श्री श्री दुर्गा मंदिर परिसर में पूजा समिति द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समिति की ओर से सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दुर्गा मां की तस्वीर और गमछा देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूजा काफी भव्य रही, लेकिन इस बार समिति द्वारा कई नए कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। पूजा समिति के अध्यक्ष मंदू गुप्ता के सौजन्य से सभी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष मंदू गुप्ता, सचिव अर्जुन राम, कोषाध्यक्ष जगेश्वर साहू, मीडिया प्रभारी युगल किशोर महतो, जितेंद्र यादव, सह सचिव विभूति कुमार, समाजसेवा काशी नायक, संदीप गुप्ता, मुखलाल राम, दुल्लू महतो, विनोद साव, अर्जुन महतो, घनश्याम महतो, गोपाल दास, संजीत बरनवाल, मनीष रजक, मिथुन नायक सहित पूजा समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

पेटरवार में लाइब्रेरी का उद्घाटन, विद्यार्थियों को मिलेगी पढ़ाई की बेहतर सुविधा

पेटरवार: पेटरवार प्रखंड के बुंदू पंचायत स्थित भेलवाटांड में दी लर्निंग रूम लाइब्रेरी का उद्घाटन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम में जिला बीस सूत्री के पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार नायक, जिला परिषद सदस्य प्रहलाद महतो एवं बुंदू मुखिया निहारिका सुकृति संयुक्त रूप से फीता काटकर लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर भाजपा नेता लक्ष्मण कुमार नायक ने कहा कि लाइब्रेरी छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। शांत वातावरण में अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह लर्निंग रूम उनके शैक्षणिक विकास और करियर निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। संस्थान के संचालक विवेक कुमार ने कहा कि युवाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पूरी सुविधाओं से युक्त लाइब्रेरी का निर्माण किया गया है। यहां विद्यार्थी शांत वातावरण में एकाग्र होकर अपनी पढ़ाई कर सकेंगे।पीके पर वीरेंद्र कुमार, यदुनंदन महतो सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

पूजा करने जा रही महिला की बाइक से गिरकर मौत, परिवार में मातम

डुमरी: डुमरी थाना क्षेत्र के बरवाडीह निवासी वासुदेव मिस्त्री की पत्नी सुकरी देवी (45) की मंगलवार को बाइक से गिरने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुकरी देवी अपने पुत्र संजय कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर सोना पहाड़ी मंदिर में पूजा करने जा रही थीं। लक्ष्मणटुंडा के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से वह बाइक से नीचे गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुत्र ने तत्काल उन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।अचानक हुई इस घटना से परिवार में मातम छा गया है। परिजन पोस्टमार्टम कराए बिना ही शव को घर ले गए।

बारामुड़ी खटाल में 18 एकड़ सरकारी जमीन की नापी, 200 घरों पर कार्रवाई की तैयारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा | राजीव रंजन

■ सात दिनों का नोटिस देकर अतिक्रमणवाद चलाने की तैयारी, स्थानीय लोगों ने कहा- आखिर हमें कितनी बार उजाड़ा जाएगा?

की प्रक्रिया शुरू कर नोटिस दिया जाएगा। उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर भी मिलेगा।

सात दिनों का नोटिस, एक महीने में निष्पादन का लक्ष्य- सीओ रामप्रवेश कुमार ने बताया कि संबंधित लोगों को सात दिनों का नोटिस दिया जाएगा। इसके बाद एक महीने के भीतर अतिक्रमणवाद को निष्पादन करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। बारामुड़ी खटाल के अलावा पंपू तालाब और लोको टैंक के आसपास की सरकारी जमीन का भी

सर्वे कराया जाएगा। खटाल क्षेत्र के रास्ते के दूसरी ओर सरकारी जमीन पर बड़ी इमारतें बनाए जाने की सूचना की भी जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों का दावा- पहले बेकारबांध के पीछे रहते थे- दूसरी ओर, स्थानीय लोगों ने बताया कि वे पहले बेकारबांध तालाब के पीछे रहते थे। उनके अनुसार, तत्कालीन उपायुक्त डॉ. बीला राजेश ने उन्हें बारामुड़ी क्षेत्र में

बसाया था। यहां रहने वाले परिवारों की आजीविका मुख्य रूप से खटाल चलाने पर निर्भर है। उनके पास बड़ी संख्या में मवेशी भी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उन्हें यहां से हटया गया, तो परिवार के भरण-पोषण के साथ मवेशियों को रखने की समस्या भी खड़ी हो जाएगी। उन्होंने बताया कि वे इस मामले में उपयुक्त से मिलकर अपनी समस्याएं रखेंगे और प्रशासन

से उचित समाधान निकालने की मांग करेंगे।

‘आखिर हमें कितनी बार उजाड़ा जाएगा?’- स्थानीय लोगों ने अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा कि एक बार पहले ही उनका जीवन प्रभावित हो चुका है। अब फिर से उनके बच्चों का भविष्य और परिवार की आजीविका संकट में पड़ने की आशंका है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर

उन्हें कितनी बार उजाड़ा जाएगा? लोगों ने प्रशासन से अपील की कि किसी भी निर्णय से पहले उनके बच्चों की पढ़ाई, परिवार की रोजी-रोटी और मवेशियों के पालन-पोषण पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखा जाए। अब सर्वे के बाद प्रशासन की अगली कार्रवाई और स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर सबकी निगाहें टिकी हैं।

आईआईटी (आईएसएम) की रिसर्च स्कॉलर पलक जयसवाल को जेएसटी-लोटस फेलोशिप 2026

राष्ट्रीय मुख्यधारा | राजीव रंजन

धनबाद: आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के केमिस्ट्री एंड केमिकल बायोलॉजी विभाग की डॉक्टोरल रिसर्च स्कॉलर पलक जयसवाल को प्रतिष्ठित जेएसटी-लोटस फेलोशिप 2026 के एस्पायर कैटेगरी के तहत चुना गया है। इस फेलोशिप के जरिए उन्हें जापान में रिसर्च करने और वहां के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। जापान साईंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी (जेएसटी) की इस पहल का मकसद भारत और जापान के बीच साइंटिफिक कोलैबोरेशन को बढ़ावा देना है। इसके तहत दोनों देशों के रिसर्चर्स के बीच एकेडमिक एक्सचेंज, ज्वाइंट रिसर्च और नई तकनीकों से जुड़ी जानकारी साझा करने को प्रोत्साहित किया जाता है। यह पहल रिसर्च के क्षेत्र में दोनों देशों

के संस्थानों के बीच साझेदारी को मजबूत करने में भी मदद करती है। इस फेलोशिप के तहत जापान की ओसाका यूनिवर्सिटी होस्ट इंस्टीट्यूट होगी। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के केमिस्ट्री एंड केमिकल बायोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और सेंट्रल लाइब्रेरी के प्रोफेसर-इन-चार्ज प्रो. सुमंत कुमार पाढ़ी इस प्रोजेक्ट में इंडियन प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर (पीआई) की भूमिका निभाएंगे।

प्रो. पाढ़ी का रिसर्च कैटेरिलसिस, स्मॉल मॉलिक्यूल एक्टिवेशन और सस्टेनेबल एनर्जी पर केंद्रित है। इसमें कार्बन डाइऑक्साइड कन्वर्जन, ग्रीन हाइड्रोजन प्रोडक्शन और आर्टिफिशियल फोटोसिंथेसिस जैसे विषय शामिल हैं। इससे पहले दिसंबर 2025 में आईआईटी (आईएसएम) ने प्रो. पाढ़ी की रिसर्च टीम से जुड़े रिसर्च स्कॉलर टी. नटराजन के जेएसपीएस लोटस फेलोशिप 2026 के लिए चयन की जानकारी दी थी। इस पहल के तहत जापान की क्युशू यूनिवर्सिटी के प्रो. हिरोनोबु ओजवा के साथ रिसर्च कोलैबोरेशन प्रस्तावित है। पलक जयसवाल का चयन संस्थान के डॉक्टोरल स्कॉलर्स के लिए इंटरनेशनल रिसर्च के नए अवसरों को दर्शाता है और भारत-जापान के बीच वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम उपलब्धि है।

वाको किकबॉक्सिंग वर्ल्ड कप में कांस्य जीतने वाली जुड़वा बहनों को बीसीसीएल ने किया सम्मानित

मनदीप और राजदीप कौर ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बढ़ाया धनबाद का मान

राष्ट्रीय मुख्यधारा | राजीव रंजन

धनबाद: बीसीसीएल के कोयला भवन मुख्यालय में बुधवार को आयोजित समारोह में वाको किकबॉक्सिंग वर्ल्ड कप की कांस्य पदक विजेता जुड़वा बहनों मनदीप कौर और राजदीप कौर को सम्मानित किया गया। बीसीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल ने दोनों खिलाड़ियों को उनकी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि के लिए सम्मानित करते हुए बधाई दी। उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में 13 से 18 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में दोनों बहनों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। मनदीप कौर ने अंडर-18 के 60 किलोग्राम भार वर्ग की तातामी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जबकि राजदीप कौर ने इसी भार वर्ग की रिंग स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। दोनों की उपलब्धि से देश, झारखंड और धनबाद का गौरव बढ़ा है।

बीसीसीएल ने प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दोनों खिलाड़ियों को प्रायोजन सहायता प्रदान की थी। सम्मान समारोह में सीएमडी ने उनके प्रदर्शन की सराहना

करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। बीसीसीएल की ओर से युवा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और

उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर उपलब्ध करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई।

एनएच-19 पर ट्रक ने टैंपो को मारी टक्कर, सात मजदूर घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: निमियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रतापपुर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बुधवार की शाम एक सड़क हादसा हो गया। पीछे से आ रहे बारह चक्का ट्रक ने मजदूरों से भरे टैंपो में टक्कर मार दी। इस घटना में सात मजदूर घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़कीटांड में काम कर बारह मजदूर टैंपो संख्या जेएच 10 बीएल 3259 से तोपवांची वापस लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने टैंपो को पीछे से धक्का मार

दिया। दुर्घटना में टैंपो में सवार सात मजदूर घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के बाद टैंपो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायलों में असरफ अंसारी (55), कुंती देवी (40), देवकी भुईयां (50), श्यामलाल (55), ममता देवी (35), रंजीत कुमार व फगू रजवार (25) शामिल हैं। सभी तोपचांची थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के निवासी बताए जाते हैं।

अवैध बालू खनन से शांखा नदी पर संकट, ग्रामीणों की आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल: सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह प्रखंड में शांखा नदी से बड़े पैमाने पर अवैध बालू खनन किए जाने का आरोप लगा है। तिलाडिटांड, क्षिमड़ी के करतालटांड और मुरु सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों का कहना है कि नदी से दिन-रात बालू का उठाव हो रहा है। आरोप है कि रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर बालू की ढुलाई कर रहे हैं, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, लगातार बालू खनन से नदी का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हो रहा है। इससे जलप्रवाह, भूजल स्तर और आसपास के पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। नदी पर निर्भर ग्रामीणों को भी भविष्य

में जलसंकट और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और नीमडीह अंचल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए अवैध खनन और बालू परिवहन की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि नदी से बड़े पैमाने पर बालू का उठाव हो रहा है, तो इस पर रोक लगाने के लिए जिम्मेदार विभागों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, खनन विभाग और अंचल प्रशासन से अवैध खनन पर रोक लगाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो शांखा नदी और पर्यावरण की रक्षा के लिए व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

गोविंदपुर में स्कूटी और XUV कार में टक्कर, तीन घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा | राजीव रंजन

गोविंदपुर (धनबाद): गोविंदपुर प्रखंड के आसना मोड़ से आगे झुलुवा के समीप बुधवार को स्कूटी और XUV 3XO कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना में शामिल कार का रजिस्ट्रेशन नंबर BR07BL2898 बताया जा रहा है।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि, घायलों की पहचान और उनकी स्थिति के संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी है। उन्हें किस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, इसकी भी पुष्टि नहीं हुई है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। हादसे के कारणों का पता विस्तृत जानकारी और जांच के बाद ही चल सकेगा।

पुलिस संस्मरण दिवस पर झारखंड के तीन शहीद जवानों को श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची: रांची के डोरंडा स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस-1 (जैप-1) परिसर में बुधवार को पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान इस साल देशभर के विभिन्न राज्यों की पुलिस और अद्वैसनिक बलों के 154 शहीद अधिकारियों एवं जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इनमें झारखंड के तीन जवान भी शामिल हैं, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवाई। एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच कर्तव्य के दौरान शहीद हुए झारखंड के तीन पुलिसकर्मियों में पुलिस अवर निरीक्षक हेमंत भगत, आरक्षी सुनील राम और आरक्षी संतोष कुमार मेहता शामिल हैं। हेमंत भगत दुमका जिले में तैनात थे, जबकि सुनील राम और संतोष कुमार मेहता पलामू जिले से



जुड़े थे। चार सितंबर 2025 को पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस और टीएसपीसी नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान आरक्षी सुनील राम और आरक्षी संतोष कुमार मेहता शहीद हो गए थे। दोनों जवानों ने अभियान के दौरान कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। वहीं, 31 दिसंबर 2025 को दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के दौरान



बाधित सड़क को खाली कराने के क्रम में पुलिस अवर निरीक्षक हेमंत भगत शहीद हो गए थे। कर्तव्य के दौरान उनका बलिदान पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी और सेवा भावना को दर्शाता है। पुलिस संस्मरण दिवस पर इन सभी वीर जवानों को याद करते हुए उनके बलिदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। समारोह में झारखंड के डीजीपी सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शहीद



स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वीर जवानों के बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर शहीदों के परिवारों के साथ खड़े रहने और हर संभव सहयोग देने का संकल्प भी दोहराया गया।

झारखंड जगुआर मुख्यालय में भी मना पुलिस संस्मरण दिवस- वहीं झारखंड जगुआर (एसटीएफ) के टेंटरग्राम स्थित मुख्यालय में भी बुधवार को पुलिस संस्मरण दिवस मनाया गया। इस

दौरान आईजी अनूप बिरथरे और डीआईजी इन्द्रजीत महथा ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में शहीद पुलिसकर्मियों के नामों का पाठ किया गया। जवानों ने शस्त्र झुकाकर सम्मान दिया और दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के बलिदान को नमन किया। आईजी ने कहा कि देश और राज्य की सुरक्षा में पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

वैज्ञानिकों ने भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता के संग मनाया दुर्गात्सव



पूर्वी सिंहभूम: विज्ञान और अनुसंधान की दुनिया में धातुओं के गुणों और नई तकनीकों पर काम करने वाले वैज्ञानिकों और परिजनों ने सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) के एग्रिको आवासीय परिसर में दुर्गात्सव के दौरान आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। श्री श्री दुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित पांच दिवसीय दुर्गात्सव में मां दुर्गा को आराधना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विभिन्न प्रतियोगिताओं और पारिवारिक गतिविधियों ने पूरे परिसर को भक्तिमय और उत्सवपूर्ण वातावरण से भर दिया। एनएमएल परिसर में दुर्गापूजा के दौरान वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के परिवारों ने पारंपरिक श्रद्धा के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। प्रतिदिन के धार्मिक अनुष्ठानों के बीच सांस्कृतिक गतिविधियों ने उत्सव की रौनक बढ़ाई। बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

अगले वर्ष स्वर्ण जयंती मनाने की तैयारी- इस बार के दुर्गात्सव का विशेष महत्व इसलिए भी रहा कि आगामी वर्ष श्री श्री दुर्गा पूजा/काली पूजा समिति अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। स्वर्ण जयंती का अवसर समिति के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि होगा। इसके माध्यम से पांच दशकों की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक यात्रा को याद करने के साथ उन लोगों के योगदान को सम्मान देने का अवसर मिलेगा, जिन्होंने वर्षों से इस परंपरा को जीवंत बनाए रखा है। स्वर्ण जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए परिसर के निवासियों में अभी से उत्साह देखा जा रहा है। पूजा समारोह को सफल बनाने में डॉ. संदीप घोष चौधरी, ओ. निवास राव, विल्व विशाल, डॉ. कृष्ण कुमार, राजीव श्रीवास्तव, सुब्रमण्यम, डॉ. अंजनी साहू, सरोज कुमार, अभिषेक कुमार, देव प्रकाश सिंह, पी.बी. पॉल, नवीन शर्मा, डॉ. बीना कुमारी, डॉ. पुरुषोत्तम कुमार और डी.पी. साहू सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विवाहिता का शव पंखे से लटका मिला

पूर्वी सिंहभूम: सिरदोगड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला प्रकाश में आया है। रोड नंबर-12 स्थित क्वार्टर नंबर-1, एन-4 टाइट के एक आवास में 34 वर्षीय रत्ना यादव का शव कमरे के अंदर पंखे से लटका हुआ मिला। घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मृतका का महज आठ माह का बेटा है, जिसके सिर से मां का साया उठ गया। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, रत्ना यादव के पति सुनील कुमार मंगलवार रात किसी काम से बाहर गए हुए थे। उनके घर लौटने के बाद पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बुधवार सुबह जब मृतका के ससुर कमरे में पहुंचे, तो उन्होंने रत्ना को पंखे से लटका हुआ देखा। इसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर सिरदोगड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। साथ ही मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस इसे गंभीरता से लेते हुए सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। आठ माह के मासूम के सिर से मां का साया उठने की घटना ने आसपास के लोगों को भी झकझोर कर रख दिया है।

नानी के घर में युवक ने की खुदकुशी

पूर्वी सिंहभूम: परसुडीह थाना क्षेत्र के नामटोला में मंगलवार देर रात 19 वर्षीय अभिरूप दास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से परिवार में मातम पसर गया। युवक का शव उसके कमरे में पंखे से लटका मिला। अभिरूप परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी असमय मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में जहां कुछ समय पहले तक खुशियां थीं, वहीं अब मातम और चीख-पुकार का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, अभिरूप काफी समय से नामटोला स्थित अपने नानी के घर पर रह रहा था। मंगलवार देर रात वह अपने कमरे में था। इस दौरान उसकी मां कमरे में पहुंचीं तो बेटे को पंखे से लटका देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मां की चीख सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर परसुडीह थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को नीचे उतरवाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। 19 वर्षीय युवक की मौत से परिवार गहरे सदमे में है। इकलौते बेटे को खोने के बाद परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



विजयादशमी पर माहेश्वरी सभा ने किया सामूहिक शस्त्र पूजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची: विजयादशमी के अवसर पर श्री माहेश्वरी सभा, रांची की ओर से बुधवार को सेवा सदन पथ स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में लगातार तीसरे वर्ष सामूहिक शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। आयोजन में सनातन परंपरा, सामाजिक एकता और शास्त्र-शस्त्र के महत्व पर जोर दिया गया। सभा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि कार्यक्रम की शुरुआत गणेश स्तुति, शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि समाज को संरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए शिक्षित और सुरक्षित होना आवश्यक है। सनातन परंपरा में शास्त्र और शस्त्र दोनों का विशेष महत्व है। इस दौरान स्कंदमता के स्वरूप में मायरा काबरा और शेर के रूप में सुषमा कुमारी का गुणवर्षा और जयकारों के साथ स्वागत किया गया। लाल-लाल चुनरी सितारों वाली भजन पर भक्तों ने नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक



हनुमान चालीसा, माता की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। सभा ने नवार्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर रांची के विधावक सीपी सिंह, पूर्व सांसद सुबोध कांत सहाय सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि मुकेश काबरा ने किया।

और सहसंयोजकों रूपेश भाला, चैतन्य सोमानी एवं लक्ष्मी चितलांगिया ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर रांची के विधावक सीपी सिंह, पूर्व सांसद सुबोध कांत सहाय सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि सयोजक अशोक साबू और माहेश्वरी समाज के सदस्य मौजूद थे।

भारतीय एकता कमेटी ने नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों को किया सम्मानित



राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची: सामाजिक संस्था, भारतीय एकता कमेटी रांची की ओर से बुधवार को नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति, नीचे बाजार गुदरी के सदस्य पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने समिति के अध्यक्ष दयानंद प्रसाद, कोषाध्यक्ष रूपेश साहू, सचिव गोपाल गुप्ता तथा उपाध्यक्ष पवन साहू और रंकेश साहू को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। गुलाम मुस्तफा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हम सभी देशवासी आपस में भाई-भाई हैं। त्योहार समाज में प्रेम, सद्भाव, आपसी विश्वास और एकता का संदेश देते हैं। ऐसे अवसरों पर सभी समुदायों को मिल-जुलकर खुशियां बांटनी चाहिए और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। एक-दूसरे के त्योहारों का सम्मान करना भारतीय संस्कृति की विशेषता है। कार्यक्रम में भारतीय एकता कमेटी के मुख्य सचिव रामेश्वर राम, बुलंद अख्तर और मोहम्मद सितारे सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रांची में दुर्गात्सव संपन्न, 176 पूजा पंडालों की प्रतिमाओं का विसर्जन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची: राजधानी रांची में भक्ति और आस्था के संगम के बीच दुर्गात्सव का बुधवार को समापन हो गया। विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का शहर के तालाबों में विसर्जन किया गया। इससे पहले पूजा समितियों की ओर से विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालु मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय की प्रतिमाओं को वाहनों में लेकर नाचते-गाते बड़ा तालाब, चडरी तालाब, अरगोड़ा तालाब, जगन्नाथ तालाब सहित अन्य जलाशयों तक पहुंचे। दुर्गा पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा और अन्य प्रतिमाओं को तालाबों में विसर्जन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से एनडीआरएफ टीम तैनात किए गए थे। प्रतिमा विसर्जन करने वाले लोगों पर प्रशासन की पैनी नजर थी। इसके अलावा नगर निगम की टीम भी तैनात रही। मूर्तियों को तालाब से बाहर निकालने के लिए नगर निगम हमेशा अलर्ट रही। तालाब को साफ बनाए रखने के लिए सफाई कर्मी भी मौजूद रहे। यहां भक्तों के जरिये सभी प्रतिमाओं की सामूहिक रूप से प्रार्थना की गई। देवी-देवताओं को आरती उतारी गई। फूल माला पहनाई गई। भजन एवं भक्ति गीत गाए गए। सभी प्रतिमाओं के जयकारे लगाए गए। इस मौके पर भक्तों ने घर परिवार में खुशहाली बनी रहे इस कामना के साथ मूर्ति विसर्जन किया गया। इन सभी पूजा पंडालों में मां दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती,



गणेश और भगवान कार्तिकेय की प्रतिमाओं को पूजा पंडालों में स्थापित किए गए थे। प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए सभी समितियों के लिए अलग-अलग तालाब चिन्हित की गई थी। नगर निगम की ओर से चिन्हित तालाबों में करीब 1000 मिट्टी

से बने प्रतिमाओं को विधि विधान से तालाबों में विसर्जन की गई।

मां दुर्गा की विदाई पर मंदिरों में हुआ सिंदूर खेला, महिलाओं ने एक-दूसरे को लगाया सिंदूर- मां दुर्गा की विदाई के अवसर पर बुधवार को राजधानी के प्रमुख मंदिरों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ महिलाओं की ओर से सिंदूर खेला का आयोजित हुआ। इस दौरान बंगाली परंपरा के अनुसार, महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन के बीच पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। मेन रोड स्थित दुर्गा बाड़ी में सिंदूर खेला कार्यक्रम में हजारों महिलाओं ने हिस्सा लिया। यहां महिलाओं ने पहले मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर उत्सव की परंपरा निभाई। श्रद्धालुओं में मां के प्रति गहरी आस्था और विदाई का भाव देखने को मिला। महिलाओं ने मां से सभी श्रद्धालुओं पर कृपा बनाए रखने और अगले वर्ष फिर आगमन की प्रार्थना की। मेन रोड स्थित दुर्गा बाड़ी, हरिमती मंदिर, कांटाटोली के अलावा नेताजी क्लब स्थित मंदिर, हिन् दुर्गा पूजा समिति, देशप्रिय क्लब और हिंदवीही के बैशाखी संघ में सिंदूर खेला का आयोजन किया गया। सभी स्थानों पर बंगाली परंपराओं के अनुसार, महिलाओं ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। मां दुर्गा की विदाई के साथ ही श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की कामना की।

राज्य में कानून-त्यवस्था बेपटरी, अपराधियों के हौसले बुलंद: भाजपा



राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची: भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केके गुप्ता ने झारखंड की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीरता से आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और अपराधियों में हुलास-प्रशासन का भय समाप्त हो चुका जा रहा है। राज्य की कानून-व्यवस्था बेपटरी हो गई है। अपराधियों के हौसले बुलंद हो गये हैं। शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक हत्या, गोलीबारी, दुर्कर्म, चोरी, लूट, रंगदारी और भूमि विवाद से जुड़ी घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। भाजपा प्रवक्ता ने वर्ष 2020 से 2026 के बीच राज्य में हत्या के 9,213, दुर्कर्म के 10,113, अपहरण के 11,000 और चोरी के 60,000 मामलों का दावा किया।

रंगदारी वसूलने जैसी गतिविधियों से आम नागरिकों में भय का माहौल बन रहा है। उनका दावा है कि अपराध की दुनिया में सक्रिय कुछ युवा इसे कमाई और प्रभाव बढ़ाने का जरिया बनाते लगे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने पूर्ववर्ती खुबर दास सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उस समय अपराधियों में कानून का अधिक भय था। उन्होंने हेमंत सरकार से कानून-व्यवस्था मजबूत करने, अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति और सुरक्षा का माहौल कायम करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए पुलिस की जवाबदेही तय करने और संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की जरूरत है।

नियम तोड़ने वाले कोचिंग संस्थान होंगे सील : नगर आयुक्त



राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची: रांची नगर निगम ने भवन निर्माण नियमों, पार्किंग और अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर संचालित कोचिंग संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित बैठक में यह बातें कही गईं। नगर आयुक्त ने कहा कि कई संस्थानों के पास स्वीकृत भवन नक्शा नहीं है, जबकि कुछ भवन आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत होने के बावजूद उनमें व्यावसायिक गतिविधियों के तहत कोचिंग संचालित की जा रही है। ऐसे में नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों को सील किया जाएगा। बैठक के दौरान पूर्व में जारी नोटिस के संबंध में कोचिंग संचालकों ने अपना पक्ष रखा। जांच के दौरान कई संस्थानों में पर्याप्त



उल्लेखनीय है कि राजधानी रांची सहित राज्य भर में दिन में हल्की गर्मी जबकि शाम में ठंड महसूस हो रही है। वहीं, बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री और न्यूनतम 16.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 32.8 डिग्री और

न्यूनतम 19.6 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 33.2 और न्यूनतम 19.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 18.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

टाटा स्टील के एमयूएमएम क्षेत्र में महिला सेफ्टी सुपरवाइजर घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम: टाटा स्टील के एमयूएमएम के अंतर्गत सीआरएम ईटीपी क्षेत्र में 20 अक्टूबर को हुई एक घटना में एम/एस गैस्प्लैट में कार्यरत महिला साइट सेफ्टी सुपरवाइजर घायल हो गई। घटना को लेकर कंपनी प्रबंधन ने चिंता जताई है। महिला को तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बुधवार को कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, घटना के तुरंत बाद महिला कर्मचारी को ईस्ट प्लॉट फर्स्ट एड सेंटर में प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उन्हें आगे की चिकित्सा जांच और इलाज के लिए टीएमएच रेफर किया गया। अस्पताल में कराई गई



सीटी ब्रेन जांच की रिपोर्ट सामान्य आई है। फिलहाल महिला को कंधे में दर्द की शिकायत है, जिसकी चिकित्सकीय जांच की जा रही है। कंपनी के अनुसार, उनकी स्थिति स्थिर है और वह बेहतर कर रही है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। घटना के कारणों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए कंपनी प्रबंधन ने एक जांच टीम गठित की है। टीम मामले की जांच कर रही है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके। फिलहाल जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है।



संक्षिप्त

समाचार

मथुरा-सादाबाद-जलेसर मार्ग पर सुधरेंगे 24 खतरनाक टी-पॉइंट



हाथरस , एजेंसी। जिले में सड़क हादसों में होने वाली मौतों पर अंकुश लगाने के लिए शासन ने जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट योजना के तहत बड़ी कार्ययोजना को मंजूरी दी है। इसके तहत लोनिवि के प्रांतीय खंड द्वारा सादाबाद विधानसभा क्षेत्र के तहत मथुरा-सादाबाद-जलेसर-अवागढ़ मार्ग पर चिह्नित 24 ब्लैक स्पॉट व सवेदनशील मोड़ों को दुरुस्त किया जाएगा। इस सड़क सुरक्षा परियोजना के लिए शासन ने करीब 1.34 करोड़ रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए 46.97 लाख रुपये का प्रांभिक बजट अवमुक्त कर दिया है। मथुरा-सादाबाद-जलेसर मार्ग पर आए दिन होने वाले हादसों को रोकने के लिए शेष 24 स्थानों पर टी-जंक्शन व वाई-जंक्शन पर सड़क सुरक्षा कार्य कराए जाएंगे। इन स्थानों पर तीखे मोड़ों का सुधार, संकेतक, सोलर ब्लिंकर, रंबल स्ट्रिप्स और सुरक्षात्मक रेलिंग जैसे जरूरी कार्य होंगे, ताकि तौद्र गति से आने वाले वाहनों को समय रहते मोड़ों और क्रॉसिंग की स्पष्ट जानकारी मिल सके। शासन ने निर्देश दिए हैं कि योजना के तहत तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर तत्काल कार्य शुरु कराया जाए और शासनादेश जारी होने के छह माह के भीतर निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाए। अधिशासी अभियंता लोनिवि संजीव कुमार वर्मा ने बताया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता, समयबद्धता और वित्तीय पारदर्शिता पर पूरी नजर रखी जाएगी। इस परियोजना के धरातल पर उतरने से मथुरा-सादाबाद-जलेसर मार्ग पर रोजाना सफर करने वाले हजारों वाहन चालकों व क्षेत्रीय ग्रामीणों का आवागमन सुरक्षित हो सकेगा और दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगेगी।

गुर्जर समाज को उठ खड़े होने की जरूरत : डॉ. यशवीर

गजरोता , एजेंसी। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के संरक्षक एवं किसान ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. यशवीर सिंह ने कहा कि मुगलों और अंग्रेजों से लड़कर भी गुर्जर समाज पिछड़ा चला गया। अंग्रेजों ने समाज को जरायम पेशा घोषित कर दिया। स्वतंत्र भारत में भी राजनीतिक दलों ने गुर्जर समाज को छला। मंगलवार को अल्लुपुर भुड़ में प्रेस वार्ता में डॉ. यशवीर सिंह ने कहा कि तीन सौ साल तक प्रतिहार वंश के गुर्जरों ने देश की सौभाग्यों की रक्षा की। मिहिर भोज और नागभट्ट ने अरब आक्रांताओं को खदेड़ा। जेत सिंह नागर ने मुगलों का मुकाबला किया। विजय सिंह पथिक और सरदार पटेल ने किसानों को अंग्रेजों और तत्कालीन राजाओं के अत्याचारों से बचाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने कहा कि कुंजा बहादुरपुर के राजा विजय सिंह गुर्जर और सेनापति कल्याण सिंह गुर्जर अंग्रेजों से लड़ते हुए मारे गए। मेरठ के पांचवी गांव के कोतवाल धन सिंह गुर्जर ने आजादी का बिगुल बजाने के साथ जेल में बंद हजारों कैदियों को मुक्त कराया। दादरी के राजा उमराव सिंह भाटी और उनके करीब 70 साथियों को अंग्रेजों ने बुलंदशहर में फांसी दी थी।

576 में से 277 ग्राम पंचायतों की जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र आईडी की बंद

अमरोहा, एजेंसी। तोफापुर ग्राम पंचायत की आईडी से 19 राज्यों और यूपी के 11 जिलों के नाम पर 498 फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी होने के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जिले की 576 ग्राम पंचायतों में से 270 की आईडी बंद करा दी हैं। बाकी आईडी बंद करने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस को जांच के लिए गूगल से आईपी एड्रेस मिलने का इंतजार है। जोया ब्लॉक की तोफापुर ग्राम पंचायत के सविन अमरजीत सिंह अपर जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु), ग्रामीणी भी हैं। उनकी आईडी निष्क्रिय थी, जिसकी शिकायत उन्होंने सीएमओ कार्यालय में की थी। 12 अक्तूबर को आईडी सक्रिय हुई। जांच में पता चला कि छह और सात अक्तूबर को इससे 498 प्रमाणपत्र जारी किए गए थे। इनमें यूपी के चित्रकूट, सिद्धार्थनगर, चंदौली, फर्रुखाबाद, कानपुर, बलिया, प्रतापगढ़, बुलंदशहर, गौतमबुद्ध नगर, शाहजहांपुर और जौनपुर समेत 19 राज्यों के नाम भी शामिल हैं।

छात्रसंघ चुनाव के मतदान की तिथि का मामला पीएम कार्यालय पहुंचा

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एमयू) में छात्रसंघ चुनाव की मतदान तिथि को लेकर विवाद गहरा गया है। अब यह मामला प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंच गया है। पांच से आठ नवंबर तक धनतेरस-दिवाली का हवाला देते हुए करीब 4000 हिंदू छात्र-छात्राओं की चुनाव में सहभागिता पर सवाल उठाए गए हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पूर्व प्रदेश मंत्री बलदेव चौधरी सीटू ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को ईमेल भेजा है। एएमयू में चुनाव प्रक्रिया 25 अक्तूबर से शुरू होनी है,

जबकि मतदान पांच नवंबर को है। शिकायत में कहा गया है कि दिवाली पर बड़ी संख्या में छात्र अपने घर जाते हैं। ऐसे में मतदान के दिन परिसर से बाहर रहने वाले छात्रों की चुनाव में भागीदारी प्रभावित हो सकती है। इससे उनकी लोकतांत्रिक सहभागिता और प्रतिनिधित्व पर असर पड़ने की आशंका जताई गई है।

हॉस्टलों से विभागों तक चुनावी चर्चां गर्म : मतदान की तारीख नजदीक आते ही संभावित प्रत्याशियों ने छात्रों के बीच पहुंचना और समर्थन जुटाना शुरू कर दिया है। हॉस्टलों से लेकर विभागों और कैंपस की लॉबी तक चुनावी चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं।



छात्र संगठनों की सक्रियता के बीच इस बार भी विभिन्न लॉबियों का प्रभाव चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। छात्र नेता व्यक्तिगत संपर्क के साथ अपने समर्थकों के जरिये भी प्रचार में जुटे हैं। हॉस्टलों में बैठकों और आपसी चर्चाओं के बीच संभावित प्रत्याशी छात्रों की समस्याओं, उनकी मांगों और मुद्दों को समझने की कोशिश कर रहे हैं। दिवाली पर घर जाएंगे चार हजार छात्र, वोटरों का गणित बिगड़ने के आसार एएमयू छात्रसंघ चुनाव में दिवाली का त्योहार प्रत्याशियों के चुनावी समीकरण बिगाड़ सकता है। पांच नवंबर को मतदान से ठीक पहले

करीब चार हजार हिंदू छात्रों के त्योहार मनाने पर जाने से प्रत्याशियों की चिंता बढ़ा दी है। यदि ये छात्र मतदान के दिन परिसर में नहीं रहे तो चुनावी नतीजों पर इसका असर पड़ सकता है। दरअसल, एएमयू में छात्रसंघ चुनाव के लिए करीब 22 से 24 हजार मतदाता हैं। इनमें लगभग चार हजार हिंदू छात्र बताए जा रहे हैं। पांच से आठ नवंबर के बीच धनतेरस और दिवाली के त्योहारों के चलते छात्र दो-तीन नवंबर से ही घरों के लिए रवाना होने लगेंगे। वहीं, छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष भी मतदान तिथि को लेकर सवाल उठा चुके हैं।

एमजीरोडपर लगा भीषण जाम, एक घंटे में तय हुआ पांच मिनट का सफर; घंटों फंसे रहे लोग



किलोमीटर की दूरी तय करने में तकरीबन एक घंटा लगा। रात तक यही स्थिति बनी रही।

रावण दहन के बाद निकले लोग भी फंसे : सेंट जॉस चौराहे के पास वैश्य बोर्डिंग हाउस में रावण दहन को देखते हुए एमजी रोड पर डायवर्जन किया गया था। रात करीब नौ बजे पुतला दहन देखने आने वालों की संख्या बढ़ने से जाम लग गया। पुलिस ने चार पहिया वाहनों का आवागमन रोक़ा लेकिन कुछ लोग निकलते रहे। देर रात रावण दहन के बाद जब लोग वापस लौटे तो वह भी जाम में फंस गए।

एडीसीपी ट्रेफिक अलका सिंह ने बताया कि यमुना किनारा मार्ग पर

भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई थी। वाहनों का दबाव अधिक था लेकिन यातायात सुचारु रूप से

चलता रहा। सेंट जॉस पर वाहनों का दबाव बढ़ने पर परिवर्तित मार्ग से वाहन निकाले गए।

नवरात्र में अमरोहा के बाजारों पर बरसे 200 करोड़ रुपये

अमरोहा , एजेंसी। नवरात्र के नौ दिनों में जिले के बाजारों में जमकर धनवर्षा हुई। कारोबारियों के मुताबिक, इस दौरान जिलेभर में करीब 200 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। ऑटोमोबाइल, सपना, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ा समेत विभिन्न क्षेत्रों में ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। नवरात्र में हुई बंपर बिक्री से उत्साहित व्यापारियों को अब करवाचौथ, धनतेरस और दीपावली पर भी अच्छे कारोबार की उम्मीद है। शहर के बड़ा बाजार, बाजार कोर्ट, बटवाल और बाजार रज्जक समेत प्रमुख बाजारों में मंगलवार को भी खरीदारों की भीड़ रही। लोगों ने कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान, आभूषण और अन्य घरेलू वस्तुओं की खरीदारी की। त्योहारों के चलते बाजारों में रैकक बनी हुई है। व्यापारी सुस्था फोरेम संस्थान के जिलाध्यक्ष मनोज टंडन ने बताया कि इस वर्ष नवरात्र के दौरान जिले में करीब 200 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। पिछले दिनों हुई बारिश से व्यापार पर कुछ असर पड़ा था, लेकिन अब आगामी त्योहारों पर कारोबार में तेजी आने की उम्मीद है।

वो गुब्बारा, जिस पर लिखा था पाकिस्तान, एयरफोर्स स्टेशन में मिला...लेकिन कहां से आया; राज न खुल सका

आगरा, एजेंसी। अति सवेदनशील खेरिया एयरफोर्स स्टेशन परिसर के तकनीकी क्षेत्र में 12 फरवरी को मिला पाकिस्तान एयरलाइंस लिखे गुब्बारे का राज आठ महीने बाद भी नहीं खुल सका है। गुब्बारा कब और कहां से उड़ाया गया? यह सवाल ही बनकर रह गया है।

थाना शाहगंज में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस टीम लगी। खेरिया के आसपास के घरों को खंगाला। गुब्बारे की दिशा से पता करने की कोशिश की मगर जवाब नहीं मिल सका। खेरिया एयरफोर्स स्टेशन परिसर में मिला गुब्बारा हवाई जहाज की आकृति का था। तब उससे गैस निकल चुकी थी। पतंग उड़ाने वाला धागा बंधा था। इससे पहले बीकानेर में भी इसी तरह का गुब्बारा मिला था। इस पर पाकिस्तानी इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा था। गुब्बारा उड़ाने वाले की



जानकारी के लिए पुलिस के साथ ही एटीएस और आईबी सहित अन्य खुफिया एजेंसियों ने जांच की थी। गुब्बारे बनाने और बेचने वालों के बारे में जानकारी की गई। खेरिया के आसपास रहने वालों का सत्यापन किया गया। यह देखा गया कि बाहर से कौन आया? कुछ दिन पहले कौन रहकर गया। अगर सड़क से गुब्बारा उड़ाया गया होगा? कहां से आ सकता है? इस सबके बारे में पड़ताल की गई लेकिन कोई नतीजा नहीं निकल सका।

सीएम योगी बोले- नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं, शेयर की प्रदेश में आए बदलाव की नई तस्वीर

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदान हुए पुलिस कर्मियों को नमन किया। उन्होंने नए उत्तर प्रदेश में आए बदलाव की तस्वीर भी एक्स पर साझा करते हुए कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई भी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज पुलिस स्मृति दिवस पर मैं उन सभी वीर पुलिस कर्मिकों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूं, जिन्होंने देश की सुरक्षा, समाज की शांति और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। कर्तव्य की वेदी पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर पुलिस कर्मिकों का शौर्य, साहस और समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत है।

देना पड़ा प्राणों का बलिदान : मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार के कृत्यों पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में माफिया राज था। उस समय अराजक तत्वों के हाईसेल इतने बुलंद थे कि मथुरा के जवाहर बाग में कानून की रक्षा करते हुए वीर पुलिस अधिकारियों को प्राणों का बलिदान देना पड़ा। मुख्यमंत्री ने साफ किया



कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है। उत्तर प्रदेश उपद्रव से उत्सव प्रदेश बना है। पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की स्वतंत्रता मिली है। 2.26 लाख से अधिक पुलिस भर्तियों, प्रशिक्षण क्षमता में 10 गुना वृद्धि, 7 बड़े शहरों में कमिश्नरेट प्रणाली, प्रत्येक जनपद में साइबर थाने तथा प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना से पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम, आधुनिक और जवाबदेह बनी है। गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 88,973 अपराधियों पर कार्रवाई और 715 हजार करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति की जब्ती अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इसके बाद एत्माददौला के टेढ़ी बगिया स्थित विशाल ढाबे पर टाइम बम मिला था। दो लोग नजर आए थे। उसे रखकर चले गए थे। जानकारी पर एनएसजी कमांडो पहुंचे थे। बम को सुरक्षित तरीके से ले जाया गया था। उपकरणों के जरिये खोलने पर धमाका हो गया था। इन दोनों घटनाओं में भी पुलिस को कोई सुरांग नहीं मिल सका। केंद्रीय कारागार में निरुद्ध हैं पाकिस्तानी : पीओके के बंदी आगरा की केंद्रीय कारागार में पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर के बंदी निरुद्ध हैं। इस वजह से जेल में सुरक्षा बढ़ाई गई है। बाहर पुलिस के साथ ही पीएसी का भी पहरा लगा रहता है। जेल के अंदर भी कड़ी निगरानी रखी जाती है। विशेष बैरक में सभी को रखा गया। इनमें कई जम्मू कश्मीर भी भेजे गए थे। धमाके की घटनाएं भी फाइलों में हो गई थीं दफन : भगवान टाकीज बाईपास स्थित जय हॉस्पिटल में 17 सितंबर 2011 को बम धमाका हुआ था। धमाका इतना भीषण था कि 6 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इसे आतंकी घटना माना गया था। इस पर खुफिया एजेंसियों ने जांच की थी। एनएसजी कमांडो और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी की टीम भी जांच के लिए पहुंची थी। हाईटेक तरीके से धमाका करने की पुष्टि हुई थी।

अतिक्रमण, अवैध ऑटो स्टैंड: आगरा में टेढ़ी बगिया का ऐसा हाल, सामने पुलिस चौकी; फिर भी जाम ही जाम



आगरा, एजेंसी। अलीगढ़ और जलेसर जाने वाले मार्ग पर स्थित टेढ़ी बगिया लापरवाही से जाम की भेंट चढ़ रहा है। सुबह और शाम अतिक्रमण और अवैध ऑटो स्टैंड वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगाते हैं। सामने ही पुलिस चौकी भी है। रोजाना 8-10 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी भी कोई काम नहीं आ रही है। जिस समय वाहनों की लाइन होती है, उसी समय पुलिसकर्मी सुस्त हो जाते हैं। कहीं बूथ तो कहीं दुकान के पास बैठकर मोबाइल चलाते दिखते हैं। टेढ़ी बगिया से एक रास्ता हाथरस, अलीगढ़ के लिए जाता है और दूसरा जलेसर की तरफ जाने का है। रामबाग से आने वाले वाहन चौराहे पर खड़ी टेल, ऑटो और ई-रिक्शा की वजह से फंस जाते हैं। यहां से रोडवेज की बसें भी बड़ी संख्या में निकलती हैं। हाल ही में शुरू हुए सैटेलाइट बस अड्डे से आवागमन बढ़ गया है। इसके बावजूद पुलिस सक्रिय नजर नहीं आती है। भारी वाहनों के बीच दो पहिया वाहन भी निकलते हैं। ऐसे में हर समय हादसे का खतरा बना रहता

है। दुकानों के आगे सामान रखा, कहां से निकलें वाहन टेढ़ी बगिया से 100 फुट मार्ग पर शाहदरा की तरफ जाने वाली लेन पर करीब एक साल से सीएम गिड का निर्माण कार्य चल रहा है। इस कारण दूसरी लेन से ही दोनों तरफ के वाहन चलते हैं। वाहनों का दबाव बढ़ने पर जाम लग जाता है। इसकी प्रमुख वजह दुकानों के बाहर रखा सामान और लोगों के दो पहिया और चार पहिया वाहनों की पार्किंग बनती है। सुबह और शाम टेढ़ी बगिया चौकी के सामने यही स्थिति रहती है। अतिक्रमण विरोधी अभियान के नाम पर खानापुर्ति क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि टेढ़ी बगिया चौराहे पर अतिक्रमण और जाम की प्रमुख समस्या के बाद पुलिस और नागर निगम की टीम केवल खानापुर्ति का अभियान चलाती है। अभियान के कुछ देर बाद ही फिर से अतिक्रमण कर लिया जाता है। यातायात पुलिस की मौजूदगी और पुलिस चौकी होने के बाद भी समस्या बरकरार है। इस रास्ते पर बड़ी संख्या में एंबुलेंस भी फंस जाती हैं।

संक्षिप्त

समाचार

नेपाल में भारत के प्रियागोल्ड बिस्किट पर लगाया बैन, बाजारों से वापस बुलाई खेप

काठमांडू। नेपाल ने भारत की सूर्या फूड एंड एगो लिमिटेड द्वारा बनाए प्रिया गोल्ड बिस्किटों के आयात, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। यह कड़ा फैसला भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की जांच में कंपनी के परिसर में खाद्य सुरक्षा और साफ-सफाई से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आने के बाद लिया गया। नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग ने इन बिस्किटों को तय गुणवत्ता मानकों से नीचे बताते हुए बाजार से इनकी खेप तुरंत वापस मंगाने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफएसएसएआई ने सूर्या फूड एंड एगो लिमिटेड के खिलाफ जांच के बाद कंपनी का लाइसेंस निलंबित कर दिया है और कानूनी कार्रवाई भी शुरू की गई है। नियामक ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि प्रियागोल्ड बिस्किट बनाने में मवेशियों के चारे में इस्तेमाल होने वाली ब्रान यात्री चोकर का इस्तेमाल किया गया था। इसके अतिरिक्त, निरीक्षण के दौरान कई अन्य गंभीर उल्लंघनों का भी पता चला। भारतीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण की कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद नेपाल के खाद्य विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रियागोल्ड बिस्किटों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला विभाग के महानिदेशक की अध्यक्षता में हुई आपातकालीन ऑनलाइन बैठक में लिया गया। विभाग ने लोगों की सेहत की सुरक्षा और ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है। इस फैसले का सीधा असर उन कारोबारियों पर पड़ेगा जो नेपाल में इन बिस्किटों का आयात या बिक्री करते हैं। विभाग ने सभी संबंधित एजेंसियों, व्यापारियों और ग्राहकों से कहा है कि वे प्रियागोल्ड बिस्किटों का आयात न करें और बाजार में इनकी बिक्री और वितरण तत्काल बंद करें। यह घटना भारत के खाद्य सुरक्षा मानकों और निर्यातित उत्पादों की गुणवत्ता पर सवाल उठाती है, जबकि नेपाल ने अपने नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए त्वरित कदम उठाए हैं।

पाक एयरलाइन में बड़ा घोटाला, 20 कर्मचारियों ने प्रीमियम सीट बुकिंग में की हेराफेरी



इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस में प्रीमियम सीटों की बुकिंग को लेकर घोटाला सामने आया है। लाहौर एयरपोर्ट पर 20 से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों पर एयरलाइन को 50 लाख पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का चूना लगाने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक ये कर्मचारी यात्रियों से प्रीमियम, एक्सट्रा-लेगरूम और ब्लैकहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे, लेकिन एयरलाइन के रिकॉर्ड में इन सीटों को सामान्य दिखाकर रकम को कंपनी के खाते में जमा नहीं करते थे। यह हेराफेरी मई 2024 और 2025 के रिकॉर्ड की जांच के दौरान सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर फाइनेंस एंड ऑडिट कमिटी ने इन वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया। ऑडिट में खुलासा होने के बाद अब इन कर्मचारियों के वेतन से 50,60,269 पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा की रकम काटकर पीआईएफ़ के खाते में जमा कराई जा चुकी है। पीआईएफ़ पहले से ही आर्थिक नुकसान, कुप्रबंधन और सरकारी मदद पर अत्यधिक निर्भरता के लिए जानी जाती है। एयरलाइन को लंबे समय से हो रहे घाटे के कारण इसके निजीकरण की प्रक्रिया भी चल रही है। हालांकि, निजीकरण की शर्तों पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि सरकार ने पीआईई की करीब 650 अरब रुपए की पुरानी देनदारियों को एक होल्डिंग कंपनी में डाल दिया था, ताकि खरीदार को पुराने कर्ज का बोझ न उठाना पड़े। इस कदम की आलोचना करने वालों का कहना है कि पुराने कर्ज का बोझ अंततः जनता पर ही रहेगा। ऐसे समय में जब पीआईई अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है और निजीकरण की राह पर है, प्रीमियम सीटों की कमाई में इस तरह की गड़बड़ी एयरलाइन की आंतरिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मू को दिया नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह का निमंत्रण

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में द्रौपदी मुर्मू से मिलकर 31 अक्टूबर को होने वाले नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। यह समारोह कुंभ मेले के भव्य आयोजन की शुरुआत का प्रतीक होगा। मुख्यमंत्री सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति भवन में आयोजित तुलाकांत के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने राष्ट्रपति मुर्मू को नासिक और त्र्यंबकेश्वर में होने वाले ध्वजारोहण समारोह के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। साथ ही उन्हें महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं, आदिवासी उद्यमिता, वस्त्र कला, कृषि समृद्धि और खान-पान की परंपराओं को दर्शाने वाला विशेष उपहार सेट भी भेंट किया। मुख्यमंत्री सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति को 31 अक्टूबर को आयोजित होने वाली गोदा आरती में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया गया। इस दिन ध्वजारोहण समारोह के अलावा नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण की वेबसाइट का शुभारंभ, कुंभ मेले के आधिकारिक गीत का विमोचन, कुंभ मेले पर आधारित कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन तथा विशेष डाक टिकट का अनावरण भी प्रस्तावित है। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छान भुजबल, जल संसाधन, आवादा प्रबंधन एवं कुंभ मेला मंत्री तथा नासिक के पालकमंत्री गिरिश महाजन, स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे और खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा विशेष सहायता मंत्री नरहरि जिरवाल उपस्थित थे।

उधमपुर में बस खाई में गिरी, लड़की की मौत, 16 घायल

उधमपुर। जम्मू के उधमपुर जिले में बुधवार को बसंतगढ़-रामनगर सड़क पर एक बस के सड़क से फिसलकर खाई में गिरने से एक लड़की की मौत हो गई और 16 अन्य लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया यह हादसा लड़ी-बसंतगढ़ तहसील के पचौड़ इलाके में गुल्ली गाला के पास हुआ। उन्होंने बताया कि छह गंभीर रूप से घायल यात्रियों को उरु जिला अस्पताल रामनगर भेजा गया है जबकि बाकी घायलों का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बसंतगढ़ में किया जा रहा है। केंद्रीयमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि हादसे के बाद उन्होंने उधमपुर के उपায়ुक्त अनंत द्विवेदी से बात की है। सोशल मीडिया पोस्ट में सिंह ने कहा कि स्थानीय लोगों की समय पर मदद से सभी यात्रियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि बचाव दल मौके पर पहुंच गया है और ह्र संभव मदद दी जा रही है। मृत लड़की की पहचान और हादसे के कारणों समेत अन्य विवरणों का अभी इंतजार है।

अब शहीद पुलिसकर्मी की पत्नी और माता-पिता को मिलेगे 50-50 लाख

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश में ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को मिलने वाली एक करोड़ रुपये की सहायता राशि अब केवल पत्नी को नहीं, बल्कि उनके बुजुर्ग माता-पिता को भी दी जाएगी। सरकार ने सहायता राशि का 50 फीसदी शहीद की पत्नी और 50 फीसदी नके बुजुर्ग माता-पिता को देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित समारोह में संबोधित करते हुए यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश का 35 साल पुराने नक्सलवाद के दंश से बाहर आना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन के बलिदान करते हुए कहा कि प्रदेश ने इस चुनौती पर विजय प्राप्त की है। इस लड़ाई में पुलिस जवानों ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और अपने प्राणों की आहुति



भी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने बताया कि एक सितंबर, 2025 से 31 अगस्त, 2026 के बीच मध्य प्रदेश सरकार के 9 अधिकारी-कर्मचारी कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, समर्पण और त्याग का संकल्प है। शहीदों के परिवार पुलिस परिवार का हिस्सा हैं और उनका ध्यान रखना पुलिस विभाग की नैतिक जिम्मेदारी है।

डीजीपी ने डॉक फोर्स के दिवंगत निरीक्षक आशीष शर्मा के बलिदान का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि आशीष शर्मा लंबे समय तक बलाघाट के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात रहे और कई मुठभेड़ों में वीरता और सूझबूझ का

परिचय दिया। उनके बलिदान के बाद मध्यप्रदेश पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियानों को और गति दी। डीजीपी के मुताबिक, वर्ष 2025 नक्सल विरोधी अभियानों की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। मानसून के दौरान भी अभियान जारी रहे। इसी वर्ष सबसे अधिक मुठभेड़ और आत्मसमर्पण हुए। इस दौरान 110 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिए गए। दिवंगत निरीक्षक आशीष शर्मा के भाई को अनुकंपा नियुक्ति भी दी गई है। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस ने कार्ययोजना तैयार कर अभियान चलाया। उनके अनुसार, मध्य प्रदेश 11 दिसंबर 2025 को देश का पहला नक्सल मुक्त राज्य बना। डीजीपी ने कहा कि नक्सलवाद लंबे समय तक देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती रहा। मध्यप्रदेश में नक्सलवादी हमलों में 38 सुरक्षा जवानों और 58 नागरिकों ने जान गंवाई। उन्होंने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस अधिकारियों और जवानों के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड की जांच सीबीआई ने संभाली

एजेंसी, नई दिल्ली

पंजाब में नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने हाथ में लेते ही उनके घर पहुंच कर परिजनों से मुलाकात की। सीबीआई की टीम मामले से जुड़े पुलिस रिकॉर्ड और जक्त सामग्री अपने कब्जे में लेने के लिए मंगलवार रात मानसा थाने पहुंची। एजेंसी ने इस संबंध में पुलिस को औपचारिक पत्र भी जारी किया है। सीबीआई के वरिष्ठ उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के नेतृत्व वाली टीम बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका पक्ष जाना। सीबीआई अधिकारियों ने झोटा के घर पहुंचकर उनके परिजनों का हालचाल जाना और उनके बारे में तमाम तथ्य जाने। मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों, औषधि नियंत्रकों और अन्य विशेषज्ञों के भी मानसा पहुंचने की सूचना है।

मामले में पोस्टमार्टम चंडीगढ़



परिजनों से करेगी पूछताछ

स्थित पीजीआई में विशेषज्ञों की टीम करेगी। चंडीगढ़ में मजिस्ट्रेट की निगरानी में जांच की कार्रवाई भी की जाएगी। सीबीआई की टीम परिजनों से बातचीत के बाद मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों की जांच आगे बढ़ाएगी। उल्लेखनीय है कि परविंदर सिंह झोटा की 13 अक्टूबर को मानसा में बाजार के अंदर एक मेडिकल स्टोर के भीतर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह मेडिकल स्टोरों पर नशीली दवाओं की कथित अवैध बिक्री के खिलाफ आवाज उठाते थे। घटना के समय वह सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण कर रहे थे। इस मामले में मेडिकल स्टोर संचालक अश्विनी कुमार को गिरफ्तार किया गया था।

शिवा शर्मा मौत मामला : श्रद्धा ढुबे, रश्मि और दानिश 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड

पुलिस की संयुक्त टीम तीनों को नागपुर से लेकर रवाना, अब आगे की पूछताछ लखनऊ में होगी

एजेंसी, नागपुर

लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में फरार चल रही श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और चालक दानिशा को नागपुर जिला अदालत ने 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया है। लखनऊ पुलिस और उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम तीनों को नागपुर से लेकर लखनऊ रवाना हो गई है। अब लखनऊ पहुंचने के बाद मामले में पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और दानिशा को 20 अक्टूबर को नागपुर में गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में नागपुर पुलिस ने लखनऊ पुलिस और उत्तर प्रदेश एसटीएफ की मदद



की। तीनों घटना के बाद से फरार बताए जा रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने प्रत्येक आरोपित के बारे में जानकारी देने वाले को 50 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी।

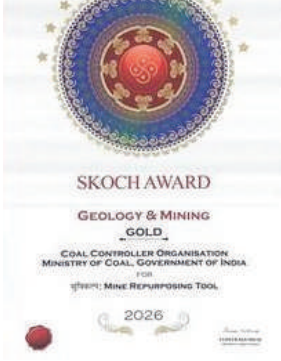
नागपुर जिला अदालत से 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद अब पुलिस तीनों को लखनऊ ले जा रही है, ताकि संबंधित मामले

बंद कोयला खदानों को उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलने की सरकार की पहल ‘सुविकल्प’ को मिला स्कॉच गोल्ड अवार्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार बंद कोयला खदानों की भूमि का वैज्ञानिक तरीके से पुनः उपयोग कर उन्हें पर्यावरण, आजीविका और आर्थिक विकास के लिहाज से उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलने की दिशा में काम कर रही है। इस पहल के तहत विकसित डिजिटल टूल ‘सुविकल्प’ को स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026 से बुधवार को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ‘डिजिटल परिवर्तन दक्षता-ऑफ़डा आधारित निर्णय’ श्रेणी में प्रदान किया गया। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अंगरंग कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) ने ‘सुविकल्प’ नाम से यह डिजिटल टूल विकसित किया है। यह तकनीकी, पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक मानकों के आधार पर बंद खदानों के पुनः उपयोग से जुड़ी परियोजनाओं का मूल्यांकन और उनकी प्राथमिकता तय करने में मदद करता है।

परियोजना के चयन के बाद उसके क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रिंजम (पोस्ट-माइनिंग



रिपरपिंजंग इम्प्लीमेंटेशन स्ट्रैटेजी मॉडल) का उपयोग किया जा सकता है। इसमें परियोजना की अवधारणा, क्रियान्वयन के तरीके, उदाहरण, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के नमूने, निविदा दस्तावेज और संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाली एजेंसियों की जानकारी उपलब्ध है। सीसीओ ने खदानों को बंद करने और उनका पुनः उपयोग से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए ‘सुविकल्प’ संवाद वेबिनार श्रृंखला भी आयोजित की।

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विश्व के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को यहां विजन आईएएस कोचिंग संस्थान के विद्यार्थियों से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब राजनीतिक गलियारों में राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर होने की चर्चा है। इस मुलाकात के दौरान राहुल के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहें।

कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए बताया गया कि विद्यार्थियों ने संस्थान में पढ़ाई, मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता में गिरावट तथा फीस वापसी की मांग



पर प्रबंधन की ओर से जवाब नहीं मिलने की शिकायत की।

कांग्रेस ने अपने पोस्ट में कहा कि विद्यार्थियों ने शिक्षण की गुणवत्ता, मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री के स्तर में तेज गिरावट को लेकर गंभीर चिंता जताई। कांग्रेस

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले के तीनों आरोपित मुंबई पहुंचे, की जा रही पूछताछ

एजेंसी, मुंबई



टाइगर श्रॉफ पर जानलेवा हमले के मामले में राजस्थान में गिरफ्तार तीनों आरोपितों को लेकर मुंबई पुलिस बुधवार तड़के करीब चार बजे मुंबई पहुंचीं। पुलिस ने इन तीनों का तत्काल जीटी अस्पताल में मेडिकल चेकअप करवाया। इसके बाद तीनों से पूछताछ शुरू की। इन तीनों को आज ही कोर्ट में पेश किया जाएगा।

इन आरोपितों के वकील अजिंक्य मिरगल ने बताया कि अभी तक पुलिस ने उन्हें इन तीनों के वकालतनामा पर हस्ताक्षर करने के लिए मिलने नहीं दिया है। पुलिस ने बताया कि कोटा से करीब 17 घंटे के सफर के बाद मुंबई पहुंचने पर तीनों को जीटी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल चेकअप किया गया। तीनों को मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटर्शन सेल में रखा गया है। आरोपितों की पहचान ऋतिक कुमार, फूल सिंह और रेहान अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तीनों आरोपितों की सुरक्षा भी बढ़ा

दी है।

अब तक की छानबीन में पता चला है कि तीनों आरोपितों में से रेहान ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अनिल पंडित के संपर्क में था। टाइगर श्रॉफ पर हमले को लेकर उसकी अनिल पंडित से बातचीत होने की बात सामने आई है। यहां ऐसी चर्चा है कि इस मामले में मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने अन्य चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस इन चारों को भी मुंबई लेने चर्चा है। मगर अधिकारी इस पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं।

रविवार शाम को जुहु के पुष्पा पार्क इलाके में तीन हमलावरों ने फिल्म अभिनेता टाइगर श्राफ पर फायरिंग की थी। हमले में टाइगर श्राफ तो बाल-बाल बच गए, लेकिन उनका ड्राइवर और एक राहगीर घायल हो गए थे।

चोरबागान पंडाल भगदड़ की जांच के लिए छह सदस्यीय एसआईटी गठित, 3 माह में सौंपेगी रिपोर्ट

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ की घटना की व्यापक और निष्पक्ष जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। राज्य के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा बुधवार जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार कलकत्ता उच्च न्यायालय के परामर्श से इस उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है।

इस छह सदस्यीय विशेष जांच दल की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जोरु शाहिदा रॉय सरस्वती करेंगी। टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में राज्य के आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, विशेष कार्य बल के महानिदेशक, पुलिस महानिदेशक के प्रतिनिधि (जो अतिरिक्त महानिदेशक रैंक से कम न हों), गृह एवं पर्वतीय मामले



विभाग के संयुक्त सचिव स्तर के प्रतिनिधि और कोलकाता में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के एक प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। यह विशेष जांच दल भगदड़ के सटीक कारणों और घटनाओं के क्रम का गहराई से पता लगाएगा। जांच के दायरे में अत्यधिक भीड़, खराब मौसम का प्रभाव, प्रवेश और निकासी की अपर्याप्त व्यवस्था, अफवाहें, बिजली की विफलता, संरचनात्मक

खामियां और भीड़ नियंत्रण उपायों की संभावित विफलता जैसे अहम पहलू शामिल होंगे। इसके अलावा, दल यह भी जांचेगा कि आयोजन स्थल पर मौजूद लोगों की संख्या क्या सुरक्षित क्षमता से अधिक थी और क्या अनुमति देते समय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों तथा निकासी योजनाओं का उचित पालन किया गया था।

इस जांच का एक मुख्य उद्देश्य

जम्मू पुलिस ने अरनिया के तल्हाड़ से 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलो अफीम बरामद की

एजेंसी, जम्मू

जम्मू पुलिस ने ऑपरेशन संजीवनी के तहत नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आरएस पुरा के अरनिया सेक्टर स्थित तल्हाड़ गांव से 804 ग्राम हेरोइन और 1 किलो 114 ग्राम अफीम बरामद की है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सीमा पार से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी किए जाने के संकेत मिले हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले की शुरुआत 20 अक्टूबर को हुई जब पुलिस स्टेशन आरएस पुरा को कोटली मिर्चियां, तहसील सुचेतगढ़ निवासी 26 वर्षीय सत्री कुमार पुत्र तरसेम लाल के गांव में एक खाई के पास नशीले पदार्थों का सेवन करने की सूचना मिली। इस संबंध में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/27 के तहत एफआईआर नंबर 186/2026 दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच और पूछताछ के दौरान सत्री कुमार के एक ऐसे नशा तस्करी

नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी सामने आई जिसका संबंध ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ गिराए जाने की घटना से बताया जा रहा है। इसके बाद थाना प्रभारी आरएस पुरा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच को आगे बढ़ाते हुए अरनिया सेक्टर के तल्हाड़ इलाके से 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलो अफीम बरामद की।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि इस नेटवर्क के तार सीमा पार से जुड़े हो सकते हैं और ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ भारतीय क्षेत्र में पहुंचाए जा रहे थे। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नशीले पदार्थों की यह खप कहाँ से भेजी गई थी इसे किस तक पहुंचाया जाना था और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। जम्मू पुलिस ने कहा कि नशा तस्करी और नार्को-टैरर नेटवर्क को खत्म करने के लिए ऑपरेशन संजीवनी के तहत कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

विदेश जाने की चर्चाओं के बीच राहुल ने दिल्ली में विजन आईएस के छात्रों से मुलाकात की

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विश्व के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को यहां विजन आईएएस कोचिंग संस्थान के विद्यार्थियों से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब राजनीतिक गलियारों में राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर होने की चर्चा है। इस मुलाकात के दौरान राहुल के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहें।

कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए बताया गया कि विद्यार्थियों ने संस्थान में पढ़ाई, मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता में गिरावट तथा फीस वापसी की मांग

पर प्रबंधन की ओर से जवाब नहीं मिलने की शिकायत की।

कांग्रेस ने अपने पोस्ट में कहा कि विद्यार्थियों ने शिक्षण की गुणवत्ता, मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री के स्तर में तेज गिरावट को लेकर गंभीर चिंता जताई। कांग्रेस

के मुताबिक विद्यार्थियों ने बताया कि फीस वापस करने की उनकी मांग पर संस्थान का प्रबंधन जवाब नहीं दे रहा है।

इससे पहले भाजपा ने सोमवार को एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया था कि राहुल

गांधी वियतनाम जा रहे हैं। भाजपा ने इस वीडियो के साथ तंज करते हुए लिखा था कि झूठ फैलाते-फैलाते थकने के बाद वह कुछ दिन घूमने जा रहे हैं। इस वीडियो में राहुल एक हवाई जहाज में बैठे दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद मंगलवार को शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत का एक वीडियो साझा किया था। इसमें राउत कह रहे हैं कि राहुल वियतनाम गए हैं, उनके आने के बात अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस वीडियो को साझा कर सवाल किया गया था कि राहुल वियतनाम में किससे मिलने वाले हैं? देश की सीमाओं के बाहर ऐसी कौन-सी प्लानिंग हो रही है? उनके भारत लौटने के बाद ऐसा क्या बदल जाएगा? पोस्ट में कहा गया था कि आखिर संजय राउत ऐसे बयान क्यों दे रहे हैं?

यह धैर्यवान और सटीक बल्लेबाज। शेनली ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को विकेट लेने के लिए तसबा दिया और उन्हें अपनी लय से भटकाए रखा। टेम्बा बाबुमा की इस 179 रनों की पारी ने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। यह अपने धरूल मैदान को खेलते हुए किसी दिग्गज अफ्रीकी कप्तान का चौथा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है, जो हासिम आमाला (दो बार) और ग्रीम स्थिथ जैसे दिग्गजों के साथ उन्हें खड़ा करता है। इसके अतिरिक्त, गेकेबरहा के मैदान पर यह किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है, जो केवल हर्शल गिब्स के 196 रनों के रिकॉर्ड से पीछे है। बाबुमा अब उन चुनिंदा दिग्गज अफ्रीकी कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में एक से अधिक बार 150 या उससे अधिक रनों की पारी खेली है।



संस्कृत से पढ़ाई के बाद, यूपीएससी से लेकर आयुष मंत्रालय तक हैं कई अवसर

अवसर लोगों को लगता है कि संस्कृत से पढ़ाई करने के बाद करियर ऑप्शंस बहुत कम रह जाते हैं. लेकिन आज के समय में यह मान्यता बदल चुकी है. नई एजुकेशन पॉलिसी, इंडियन नॉलेज सिस्टम और संस्कृत से जुड़े पुराने डॉक्यूमेंट्स को डिजिटल बनाने पर बढ़ते फोकस के कारण संस्कृत पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए सरकारी सेक्टर में रोजगार के नए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं. अगर आपने संस्कृत में BA, MA, BEd, UGC NET या PhD की है, तो टीचिंग के अलावा रिसर्च, ट्रांसलेशन, प्रशासनिक सेवाओं और आयुष सेक्टर में भी करियर बना सकते हैं.

टीचिंग में सबसे ज्यादा अवसर
संस्कृत में ग्रेजुएशन और जरूरी एलिजिबिलिटी पूरी करने वाले कैडिडेट्स केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल और राज्य सरकार के स्कूलों में TGT और PGT टीचर के पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं. वहीं MA के बाद UGC NET या PhD करने वाले कैडिडेट्स सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका पा सकते हैं. कई राज्यों के संस्कृत विद्यालयों और सरकारी गुरुकुलों में भी समय-समय पर भर्तियां निकलती हैं.

ट्रांसलेटर, रिसर्च और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में भी मांग
संस्कृत के साथ हिंदी और अन्य भाषाओं की अच्छी जानकारी रखने वाले कैडिडेट्स सरकारी विभागों में ट्रांसलेटर और राजभाषा से जुड़े पदों पर अवसर तलाश सकते हैं. इसके अलावा राष्ट्रीय पुस्तकालय, संग्रहालय और पुरातत्व से जुड़े संस्थानों में प्राचीन संस्कृत ग्रंथों और पांडुलिपियों के संरक्षण व रिसर्च का भी मौका मिलता है. CSIR की ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी जैसे प्रोजेक्ट्स में भी संस्कृत एक्सपर्ट्स की जरूरत पड़ती है.

UPSC और आयुष मंत्रालय में भी हैं करियर
संस्कृत विषय के स्टूडेंट्स UPSC और राज्य PCS जैसी परीक्षाओं की तैयारी भी कर सकते हैं. UPSC मेन्स में संस्कृत साहित्य को ऑप्शनल सबजेक्ट के रूप में चुना जा सकता है. वहीं आयुष मंत्रालय के तहत संचालित संस्थानों, आयुर्वेद कॉलेजों, योग संस्थानों और रिसर्च सेंटरों में भी संस्कृत जानने वाले एलिजिबल कैडिडेट्स के लिए समय-समय पर अवसर निकलते रहते हैं.

सरकारी नौकरी की जानकारी कहां देखें?

अगर आप संस्कृत से जुड़ी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, तो सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, कर्मचारी चयन आयोग, संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति की भर्ती सूचनाओं पर नियमित नजर रखें. यहां समय-समय पर एकेडमिक और एडमिनिस्ट्रेटिव पदों पर भर्तियां जारी की जाती हैं.



कौन ले सकता है एजुकेशन लोन इन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

एजुकेशन लोन उन छात्रों और परिवारों के लिए मददगार विकल्प बन सकता है, जो पढ़ाई के लिए पूरा खर्च एक साथ नहीं उठा पा रहे हैं. लेकिन लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि इसके लिए योग्यता क्या होती है और बैंक किन बातों को देखता है.



एजुकेशन लोन होता क्या है
एजुकेशन लोन एक तरह का बैंक लोन है, जिसे उच्च शिक्षा से जुड़े खर्चों को पूरा करने के लिए लिया जाता है. इसके जरिए कॉलेज की फीस के अलावा हॉस्टल, किताबें, लैपटॉप, परीक्षा फीस और कुछ मामलों में यात्रा जैसे जरूरी खर्च भी कवर किए जा सकते हैं. यानी पढ़ाई का खर्च सामने देखकर घबराने के बजाय इसे किस्तों में मैनेज करने का विकल्प मिल जाता है.

कौन ले सकता है एजुकेशन लोन
आमतौर पर भारत में मान्यता प्राप्त संस्थान या कोर्स में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थी एजुकेशन लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं. कई बैंक भारत के साथ-साथ विदेश में पढ़ाई के लिए भी लोन देते हैं. हालांकि हर बैंक की अपनी शर्तें होती हैं, इसलिए आवेदन करने से पहले संबंधित बैंक की पात्रता जरूर देखनी चाहिए. एजुकेशन लोन के लिए सिर्फ यह कहना काफी नहीं है कि 'मैं पढ़ाई करना चाहता हूँ.' आमतौर पर बैंक को संस्थान का एडमिशन लेटर या संबंधित दस्तावेज दिखाना पड़ता है. यानी पहले कॉलेज में सीट पक्की, फिर लोन की फाइल आगे. कुछ बैंक कोर्स, कॉलेज और उसकी मान्यता के आधार पर भी लोन मंजूर करते हैं.

किन खर्चों के लिए मिल सकता है लोन
एजुकेशन लोन केवल कॉलेज की फीस तक सीमित नहीं होता. बैंक की शर्तों के अनुसार इसमें कई दूसरे शिक्षा संबंधी खर्च भी शामिल हो सकते हैं. कॉलेज या संस्थान की टयूशन फीस हॉस्टल और रहने का खर्च किताबें और जरूरी स्टडी मटेरियल परीक्षा और लाइब्रेरी फीस कंप्यूटर या लैपटॉप जैसे जरूरी उपकरण विदेश में पढ़ाई के मामले में यात्रा से जुड़े कुछ खर्च माता-पिता की भूमिका क्यों अहम है?
स्टूडेंट लोन ले रहा है, लेकिन कई मामलों में माता-पिता या अभिभावक को सह-आवेदक बनाया जाता है. बैंक उनकी आय, नौकरी या कारोबार और क्रेडिट हिस्ट्री जैसी चीजों को देख सकता है. इसका मकसद यह समझना होता है कि लोन की जिम्मेदारी संभालने की क्षमता कैसी है. इसलिए आवेदन से पहले परिवार की आर्थिक स्थिति और जरूरी दस्तावेज तैयार रखना समझदारी है.

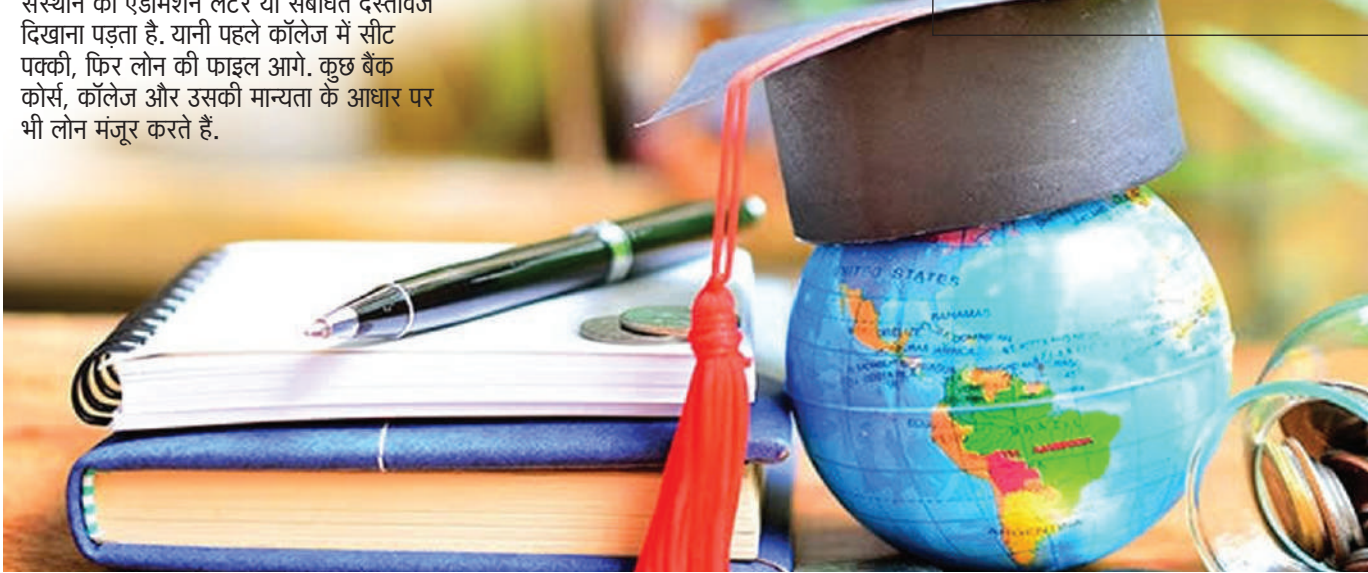
कौन-कौन से दस्तावेज लग सकते हैं

बैंक के हिसाब से दस्तावेजों की सूची अलग हो सकती है, लेकिन आमतौर पर कुछ जरूरी कागजात मांगे जाते हैं.

- आधार कार्ड या अन्य पहचान प्रमाण पता प्रमाण
- शैक्षणिक प्रमाणपत्र और मार्कशीट
- कॉलेज का एडमिशन लेटर
- फीस स्ट्रक्चर
- पासपोर्ट साइज फोटो
- सह-आवेदक की आय से जुड़े दस्तावेज
- बैंक स्टेटमेंट या अन्य वित्तीय दस्तावेज

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

एजुकेशन लोन पढ़ाई का रास्ता आसान कर सकता है, लेकिन यह मुफ्त का पैसा नहीं है. आखिर में इसे ब्याज के साथ वापस करना होता है. इसलिए सिर्फ कम ब्याज देखकर लोन न लें. ब्याज दर, प्रोसेसिंग फीस, मोरेटोरियम पीरियड, रीपेमेंट अवधि और प्रीपेमेंट से जुड़ी शर्तें ध्यान से पढ़ें. सबसे जरूरी बात यह है कि जितनी जरूरत हो, उतना ही लोन लें. सिर्फ लाइफस्टाइल का खर्च बढ़ाने के लिए बड़ा लोन लेना बाद में जेब पर भारी पड़ सकता है. पढ़ाई पूरी होने के बाद नौकरी या करियर शुरू होने पर EMI चुकानी होगी. इसलिए लोन लेने से पहले पूरा हिसाब-किताब बैठा लेना ही समझदारी है.



12वीं के बाद कैसे बनें कंपनी सेक्रेटरी

अगर आप कॉमर्स के स्टूडेंट हैं और कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है. यह एक ऐसा प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके लिए जरूरी नहीं है कि केवल पढ़ाई में बहुत अच्छे मार्क्स हों. इसमें सफलता के लिए स्टूडेंट के पास सबसे पहले पेशेंस, सही जानकारी, मेहनत और लगातार तैयारी की जरूरत होती है. इस कोर्स की पढ़ाई आप 12वीं के बाद शुरू कर सकते हैं.

क्या है यह कोर्स

कंपनी सेक्रेटरी, एक प्रोफेशनल कोर्स है. यह कोर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज द्वारा संचालित किया जाता है. इस कोर्स के बाद कैडिडेट किसी कंपनी की कॉरपोरेट लॉ, लीगल कंप्लायंस, कॉरपोरेट गवर्नंस, बोर्ड मीटिंग और रेगुलेटरी अफेयर्स को संभालते हैं.

CS बनने के लिए कितने स्टेप्स

- CS फाउंडेशन
- CS एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम
- प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (लगभग 21 महीने)
- CS प्रोफेशनल

फाउंडेशन लेवल क्या है

एच फाउंडेशन कंपनी सेक्रेटरी कोर्स का पहला लेवल है. वर्तमान में इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ICSE ने फाउंडेशन प्रोग्राम की जगह CSEET (कंपनी सेक्रेटरी एग्जीक्यूटिव टेस्ट) शुरू किया है. यहां बता दें कि अगर आप ग्रेजुएशन के बाद यह कोर्स शुरू करना चाहते हैं, तो आपको फाउंडेशन लेवल की परीक्षा नहीं देनी होगी.

इस लेवल में क्या पढ़ना होता है

एच एग्जीक्यूटिव कंपनी सेक्रेटरी कोर्स का दूसरा स्टेप है. इसमें दो मॉड्यूल होते हैं, जिनमें कुल 7 पेपर (विषय) शामिल हैं. फाउंडेशन पास करने के बाद स्टूडेंट एग्जीक्यूटिव लेवल में पहुंचते हैं.

यह है इस कोर्स का आखिरी लेवल

यह कंपनी सेक्रेटरी कोर्स का आखिरी लेवल होता है. कोर्स के इस आखिरी लेवल पर दो मॉड्यूल होते हैं, जिनमें कुल 7 पेपर (विषय) शामिल हैं. मॉड्यूल 1 में 4 पेपर और मॉड्यूल 2 में 3 पेपर होते हैं. स्टूडेंट चाहें तो एक बार में दोनों ग्रुप्स या एक ग्रुप की भी परीक्षा दे सकते हैं.

इस कोर्स में स्टूडेंट को लगभग 21 महीने की ट्रेनिंग करनी होती है, जिसमें उन्हें कोर्स की प्रैक्टिकल रिकल्स के बारे में सिखाया जाता है.

क्या है कोर्स की एलिजिबिलिटी

इस कोर्स के लिए स्टूडेंट के पास किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना जरूरी है. इस कोर्स में स्टूडेंट को कंपनी लॉ जैसी चीजों के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हालांकि ज्यादातर कॉमर्स स्ट्रीम के स्टूडेंट इस कोर्स की पढ़ाई करते हैं, मगर साइंस और आर्ट्स के छात्र भी CA की पढ़ाई कर सकते हैं.

कितना समय लगता है कोर्स कंप्लीट करने में...

12वीं के बाद, अगर इस कोर्स की पढ़ाई स्टूडेंट शुरू करते हैं, तो कोर्स पूरा करने में लगभग 4 साल लग सकते हैं. हालांकि स्टूडेंट अगर किसी लेवल को क्वालीफाई नहीं कर पाते हैं, तो कोर्स का समय भी बढ़ जाता है. बता दें कि CS की परीक्षा साल में 2 बार जून और दिसंबर सेशन में होती हैं.

नौकरी के साथ करना चाहते हैं पढ़ाई, कौन सा यूनिवर्सिटी है बेस्ट और डिस्टेंस कोर्स की वैल्यू



आज के समय में पढ़ाई के लिए जरूरी नहीं है कि छात्र रोज कॉलेज जाकर ही डिग्री हासिल करें. नौकरी, कॉम्पिटिटिव परीक्षा की तैयारी, आर्थिक कारण या दूसरी समस्याओं के चलते काफी संख्या में छात्र Open and Distance Learning यानी ODL का ऑप्शन चुनते हैं. हालांकि डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करने से पहले छात्रों के मन में सबसे बड़ा सवाल रहता है कि आखिर इस डिग्री की वैल्यू कितनी है.

क्या है यह कॉन्सेप्ट

डिस्टेंस एजुकेशन ऐसी शिक्षा व्यवस्था है, जिसमें छात्र को नियमित रूप से कॉलेज की कक्षा में उपस्थित रहने की जरूरत नहीं होती. स्टूडेंट स्टडी मटेरियल, डिजिटल लर्निंग रिसोर्स, इसाईमेंट्स और एग्जामिनेशन के माध्यम से पढ़ाई पूरी की जाती है. भारत में इसे मुख्य रूप से Open and Distance Learning (ODL) और Online Learning के रूप में देखा जाता है. हालांकि दोनों एक जैसे नहीं हैं.

कौन से यूनिवर्सिटी कराते हैं डिस्टेंस लर्निंग

IGNOU (Indira Gandhi National Open University): डिस्टेंस एजुकेशन के क्षेत्र में देश की सबसे प्रमुख संस्थाओं में से एक है. IGNOU के

अनुसार उसके डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट को भारतीय universities/ institutions की corresponding qualifications के बराबर माना जाता है. इसके 69 से अधिक रीजनल सेंटर और 2,000 से अधिक लर्नर सपोर्ट सेंटर हैं तथा विदेशों में भी इसके स्टडी सेंटर मौजूद हैं.

University of Delhi - School of Open Learning : यह भी डिस्टेंस एजुकेशन के लिए जाना जाता है. DU SOL के 2025-26 प्रोस्पेक्ट्स में UG प्रोग्राम्स को GC-DEB recognized बताया गया है.

Jamia Millia Islamia : यह एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी है और इसके कई ODL प्रोग्राम्स को GC-DEB से recognition मिली है. GC-DEB की सूची में JMI के BBA, BCom, BA और कई MA प्रोग्राम्स के साथ MBA जैसे programmes की recognition periods दर्ज हैं. हालांकि सभी programmes की recognition अवधि एक जैसी नहीं है.

Nalanda Open University : बिहार के छात्रों के लिए नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी भी एक महत्वपूर्ण ऑप्शन है. UGC-DEB की प्रोग्राम लिस्ट में यूनिवर्सिटी के विभिन्न UG और PG programmes की ODL recognition दर्ज है.

क्या Distance Degree की National Level पर Value है

अगर डिग्री UGC-DEB के नियमों के अनुसार recognized university और recognized programme से हासिल की गई है, तो Distance/ ODL qualification को केवल इसलिए कमतर नहीं माना जाना चाहिए कि वह रेगुलर मोड से नहीं की गई है. हालांकि एडमिशन से पहले स्टूडेंट्स को University Recognition + Programme Recognition + Admission Session, यह तीनों डिटेल्स अच्छे से देख लेना चाहिए.

किसके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है

डिस्टेंस एजुकेशन उन छात्रों के लिए काफी उपयोगी हो सकता है, जो नौकरी के साथ पढ़ाई करना चाहते हैं. नियमित कॉलेज नहीं जा सकते, कॉम्पिटिटिव परीक्षा की तैयारी के साथ ग्रेजुएशन करना चाहते हैं या किसी दूसरी वजह से परलेक्सबल लर्निंग चाहते हैं. हालांकि डिस्टेंस एजुकेशन में सेल्फ स्टडी की भूमिका ज्यादा होती है.



नई फिल्म 'पार्टी एनिमल्स' के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं विराज घेलानी

एक्टर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर विराज घेलानी अपनी नई फिल्म 'पार्टी एनिमल्स' के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। दोस्ती, मस्ती और गलत फैसलों के चलते एक रात की कहानी पर बनी इस कॉमेडी फिल्म में विराज लीड रोल में नजर आएंगे। एक्टर ने फिल्म को 'फुल-ऑन मस्ती फिल्म' बताया है। उनका कहना है कि इसमें दोस्ती, पागलपन और ऐसे हालात देखने को मिलेंगे, जो हर पल और मजेदार होते जाएंगे। विराज ने फिल्म को लेकर कहा, 'पार्टी एनिमल्स एक अलग तरह की फिल्म है। यह फुल-ऑन मस्ती फिल्म है। मैं काफी एक्साइटेड हूँ कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें। इसमें दोस्ती, पागलपन और ऐसे हालात हैं, जो लगातार और ज्यादा मजेदार होते जाते हैं। फिल्म की दुनिया में काफी एनर्जी है और दर्शक इससे खुद को जोड़ पाएंगे। मैं इंतजार नहीं कर सकता कि सभी इसे सिनेमाघरों में देखें।' युद्धवी फिल्म के बैनर तले बनी 'पार्टी एनिमल्स' की कहानी मुंबई में सेट है। फिल्म में विराज घेलानी, मान पटेल का किरदार निभा रहे हैं, जबकि अर्जुन तनवर अरमान खन्ना के रोल में नजर आएंगे। दोनों बचपन के दोस्त हैं, जो एक रात पार्टी करने के लिए मिलते हैं। लेकिन उनकी यह मुलाकात जल्द ही मुश्किलों में बदल जाती है। रोमांटिक उलझने, छोटी-छोटी बातों पर झगड़े और बिगड़ी परिस्थितियों को संभालने की उनकी कोशिशें मामले को और उलझा देती हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर सिद्धार्थ आनंद कुमार ने कहा, 'यह फिल्म बिना किसी झिझक के पागलपन, बेबाकी और अपने ही मजाक को समझने वाले अंदाज में आगे बढ़ती है। हम यह दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे कि फिल्म के किरदारों का हर फैसला सही है। असल में, उनके फैसले जितने खराब होते जाते हैं, कहानी उतनी ही मजेदार बनती जाती है। कभी-कभी चीजों को उनके हाल पर छोड़कर पागलपन को आगे बढ़ने देना चाहिए।' रवि छाबड़िया के निर्देशन में बनी इस फिल्म को विक्रम मेहरा और सिद्धार्थ आनंद कुमार ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी अली हाजी, खुश मुल्लिक और वीर पंचाल ने लिखी है। इसमें प्रगति नागपाल, नकियाह हाजी, आलम खान, साकिब अयूब, कमलेश सावंत, अनिल चरंजीत, आरोन कौल, विजय पाटकर और मनोज जोशी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'पार्टी एनिमल्स' की कहानी में हॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों 'द हैंगओवर', 'सुपरबैड' और '21 जप स्ट्रीट' जैसी फिल्मों की झलक देखने को मिलेगी। 'पार्टी एनिमल्स' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



टाइगर की नई फिल्म में एक्शन के साथ दिखेगी भाई-बहन की कहानी

टाइगर श्रॉफ की अगली फिल्म के ऐलान से पहले ही इसकी शूटिंग और एक्शन डिजाइन से जुड़ी कुछ अहम जानकारियां सामने आई हैं। फिल्म की कहानी किसी पारंपरिक प्रेम कहानी के बजाय भाई-बहन के रिश्ते और परिवार से जुड़े संघर्ष पर केंद्रित है। कहानी में अस्पताल की भी अहम भूमिका है। वहीं एक्शन को ग्लॉसी या बहुत ज्यादा स्टाइलाइज्ड बनाने के बजाय रॉ और फिजिकल रखा गया है। प्रोडक्शन फिलहाल अंतिम चरण में बताया जा रहा है। फिल्म की मुख्य शूटिंग पूरी हो चुकी है और करीब दो-तीन महत्वपूर्ण सीक्वेंस शूट किए जाने बाकी हैं। इनमें एक बड़ा एक्शन सीक्वेंस भी शामिल है, जिसमें बिल्डिंग से गिरने वाला स्टंट है। इसके बाद फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन में जाएगी। टाइगर का किरदार यहां किसी प्रेमिका को बचाने के

लिए लड़ता नजर नहीं आएगा। कहानी में उसकी बहन संकट में है और उसे बचाने की कोशिश ही उसके आगे के संघर्ष की वजह बनती है। यानी फिल्म में भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ भावनात्मक पहलू नहीं है, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने वाला मुख्य आधार है। बहन को बचाने की कोशिश में किरदार परिस्थितियों में फंसाता है।

टाइगर के एक्शन में भी बदलाव

टाइगर की पहचान उनके एक्रोबैटिक और हाई-फ्लाईंग एक्शन के लिए रही है। फाइट सीक्वेंस में उनकी स्पीड, ताकत और रिएक्शन तो नजर आएंगे, लेकिन उन्हें हर बार सुपरह्यूमन अंदाज में पेश करने पर जोर नहीं है। कहानी के मुताबिक उनका किरदार किसी प्रशिक्षित सुपर-कमांडो की तरह स्थापित नहीं किया गया है।

रिश्तों पर आधारित है कहानी

फिल्म में गन और दूसरे हथियारों का इस्तेमाल भी किया गया है, लेकिन प्राथमिक एक्शन लैंग्वेज हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट है। रेमो डिसूजा से जुड़े इस प्रोजेक्ट में एक्शन जरूर अहम है, लेकिन कहानी को आधार सिर्फ मारधाड़ नहीं है। भाई-बहन का रिश्ता, परिवार से जुड़ा संघर्ष, अस्पताल से जुड़ा घटनाक्रम और विलेन के साथ टकराव कहानी को आगे बढ़ाते हैं। फिल्म की मुख्य शूटिंग पूरी होने के बाद अब बचे हुए एक्शन सीक्वेंस और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम बाकी है। टाइल और आधिकारिक कास्ट की घोषणा के बाद फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी सामने आएगी।



टीवी शो 'कैसी ये यारियां' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर ने अपने करियर से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि करियर की शुरुआत में उन्हें एक फिल्म के निर्देशक की ओर से कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। इस घटना से वह इतनी हैरान और परेशान हो गई थीं कि उन्होंने आगे फिल्म में न करने का फैसला कर लिया था। 'हाउटरफलाई' के साथ बातचीत में नीति टेलर ने अपने साथ हुई इस घटना के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत में तेलुगु फिल्मों में भी काम किया था। उन्होंने बताया कि अपनी पहली तेलुगु फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद उसी फिल्म के निर्देशक ने उन्हें दूसरी फिल्म के लिए फोन किया था। लेकिन बातचीत के दौरान निर्देशक ने उनके सामने एक ऐसी शर्त रख दी, जिसे सुनकर नीति हैरान रह गई। नीति ने बताया, 'जिस डायरेक्टर ने मेरे साथ पहली फिल्म की थी, उसने फिल्म पूरी होने के बाद मुझे दूसरी फिल्म के लिए फोन किया। फिर उसने कहा कि इस बार तुम्हें मेरे साथ सोना पड़ेगा। आपको समझ नहीं आता कि ऐसी बात पर कैसे रिएक्ट करें। मैंने बस फोन काट दिया, उसका नंबर ब्लॉक कर दिया और अपनी मां को फोन करके बताया।

घटना के बाद किसी से नहीं की बात नीति ने बताया कि उस समय उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इस स्थिति से कैसे निपटें। उन्होंने तुरंत फोन काटा और डायरेक्टर का नंबर ब्लॉक कर दिया। अभिनेत्री के मुताबिक, इस घटना ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया था। नीति ने कहा, 'मैंने उसे दूसरी लड़कियों के साथ देखा था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह मेरे साथ भी ऐसा करने की कोशिश करेगा। उसी समय मैंने फैसला कर लिया कि मैं अब कभी कोई फिल्म नहीं करूंगी। मैं पूरी तरह से हैरान रह गई थी और मैंने बस उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। मैंने यह बात किसी को नहीं बताई, क्योंकि मैं समझ ही नहीं पा रही थी कि आखिर हुआ क्या है।' नीति टेलर ने बातचीत के दौरान उस निर्देशक का नाम नहीं बताया, जिसने कथित तौर पर उनके सामने यह प्रस्ताव रखा था।



परिवार, रिश्तों और अनकहे राजों की कहानी है 'किनारे'

अभिनेत्री और प्रोड्यूसर कीर्ति कुल्हारी अपनी आने वाली फिल्म 'किनारे' को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसकी स्क्रीनिंग धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (डीआईएफएफ) में होगी। उन्होंने इस फिल्म को बतौर प्रोड्यूसर अपना 'पहला बच्चा' बताया और कहा कि कहानी की सादगी, दिल को छू लेने वाला अंदाज और छोटी-छोटी बातों को खूबसूरती से दिखाने के तरीके ने उन्हें फिल्म बनाने के लिए प्रेरित किया। कीर्ति कुल्हारी ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, '‘किनारे’ बतौर प्रोड्यूसर मेरा पहला बच्चा है और यह हमेशा मेरे लिए खास रहेगी। इसकी कहानी मेरे दिल को छू गई। यह एक साधारण, दिल को छू लेने वाली और बारीकियों के साथ कही गई फिल्म है। मुझे ये सारी खूबियां ईरानी फिल्मों में देखने को मिलती हैं, जिन्हें मैं हमेशा से पसंद करती रही हूँ। इसलिए जब मेरे पास ऐसी कहानी आई, तो मैंने तय कर लिया कि मैं इसे जरूर बनाऊंगी।' उन्होंने कहा, '‘मैं इस फिल्म को स्वतंत्र रूप से बनाना चाहती थी, ताकि इसे उसी तरह पर्दे पर उतार सकें, जैसा मैंने और मेरी टीम ने मिलकर सोचा था। फिल्म से जुड़े सभी लोगों ने इसकी कहानी पर भरोसा किया और सिनेमा के प्रति अपने प्यार की वजह से इसका हिस्सा बने। मैं इस बात से खुश हूँ कि पूरी टीम ने मेरा साथ दिया और मुझे 'किनारे'

जैसी फिल्म दर्शकों तक पहुंचाने का मौका मिला।' फिल्म में कीर्ति के साथ काम कर रहे अभिनेता राजीव सिद्धार्थ ने भी इसकी कहानी की तारीफ की। उन्होंने कहा, '‘हर अभिनेता ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश में रहता है, जिसमें सिर्फ लिखे गए शब्द ही मायने न रखें, बल्कि उन शब्दों के बीच छिपी भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का मौका भी मिले। 'किनारे' में मुझे एक अभिनेता के तौर पर ऐसा अनुभव मिला।' राजीव ने कहा, 'फिल्म की कहानी का विषय ऐसा है, जिससे हर कोई जुड़ाव महसूस कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि फिल्म देखने वाले दर्शक इससे प्रभावित होंगे और कहानी उनके भीतर कुछ बदलाव भी लाएगी।' कीर्ति कुल्हारी की पहली फीचर फिल्म प्रोडक्शन 'किनारे' की कहानी दिल्ली के पास बसे एक गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में कीर्ति अमीना का किरदार निभा रही हैं, जो अकेली रहती हैं और अपना ज्यादातर समय बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और घर संभालने में बिताती हैं। उनकी जिंदगी में तब बदलाव आता है, जब 15 साल बाद उनका कजिन भाई आजम अचानक उनसे मिलने पहुंचता है। उसकी वापसी से परिवार के अतीत से जुड़े ऐसे राज सामने आने लगते हैं, जिनकी वजह से कभी परिवार के रिश्तों में दरार आ गई थी।

एक वक़्त काम नहीं था, फिर भी एक्टिंग नहीं छोड़ी

टीवी एक्ट्रेस आशा नेगी इन दिनों 'अली बाबा 40 भूत' में नजर आ रही हैं। शो में उनका किरदार साइंस स्टूडेंट का है, जो शुरुआत में भूत-प्रेत जैसी चीजों को बेकवास मानता है। आशा के लिए इस शो की शुरुआत ही थोड़ी अलग रही। उन्हें शूट शुरू होने से सिर्फ दो दिन पहले लॉक किया गया था। हल ही में खास बातचीत में अभिनेत्री ने शो के अलावा अपने करियर के उतार-चढ़ाव, लंबे शूटिंग शेड्यूल और निजी जिंदगी से जुड़े कई किस्से साझा किए।

सिर्फ दो दिन पहले शो में हुई लॉक आशा कहती हैं, 'मुझे शो के लिए सिर्फ दो दिन पहले लॉक किया गया था। अगले दिन मेरे ट्रायल हुए। फिर छह एपिसोड की रीडिंग हुई, शाम को लुक टेस्ट हुआ और उसी दौरान शूट भी शुरू हो गया। मुझे उस वक़्त सिर्फ चौथे एपिसोड की स्क्रिप्ट पता थी। मुझे आगे की कहानी पता थी, न पीछे की। सच कहूँ तो मुझे खुद समझ नहीं आ रहा था कि मैंने ये सब कैसे मैनेज किया।' विशाल की वजह से बच गई

वह आगे कहती हैं, 'शायद हमारे डायरेक्टर बहुत

अच्छे थे और एक्टर ने भी बहुत मदद की। कई बार लगता है कि विशाल की परफॉर्मेंस की वजह से मैं बच गई। बाकी सब मस्ती-मजाक में हो गया। मुझे लास्ट मोमेंट पर लॉक किया गया था, तैयारी का टाइम ही नहीं मिला। कई बार सोचती हूँ कि मैंने ये सब कैसे कर लिया। लेकिन यही इस काम की खूबसूरती है। कई बार पूरी तैयारी का मौका नहीं मिलता और उसी वक़्त चीजों को पकड़ना पड़ता है।'

टीवी के शुरुआती दिनों में सेट पर ही रहती थीं आशा आशा नेगी ने 2011 में टीवी से अपने करियर की शुरुआत की थी। उस समय शूटिंग के घंटे तय नहीं होते थे। आशा बताती हैं, 'यार, मुझे बस यही लगता है कि उस वक़्त हम बच्चे थे। हम 22-22 साल के थे, इसलिए सब हो जाता था। अब तो सोच भी नहीं सकती कि ऐसा कैसे कर लेते थे। मुझे याद है, एक बार किसी इवेंट में जाना था और मैंने चार दिन की छुट्टी मांगी थी। लेकिन लगातार सेट पर रहना पड़ता था। वहीं नहाना, वहीं रहना, बारिश के सीन चल रहे हैं तो वो भी वहीं। अब तो सोच भी नहीं सकती कि मैं ये सब कैसे कर लेती थी।'

अब 12 घंटे बाद ही जवाब दे देती हैं बाँडी

आशा नेगी ने 2011 में टीवी से अपने करियर की शुरुआत की थी। 'पवित्र रिश्ता' से पहचान बनाने वाली आशा नेगी के उस शुरुआती दौर में शूटिंग के घंटे तय नहीं होते थे। वह कहती हैं, 'अब अगर किसी दिन 12-13-14 घंटे से ऊपर हो जाता है तो मैं रोने लग जाती हूँ कि नहीं हो रहा मुझसे।

एक बार शूट के आखिरी दौर में मेरी हालत बहुत खराब हो गई थी। रात को शूट खत्म हुआ और सुबह फिर जल्दी बुला लिया गया। उस वक़्त मैं बस यही कह रही थी कि नहीं हो पाएगा मुझसे। मैं रोती हुई अंदर कमरे से वती जाती थी।' फिर वह विशाल से अपनी तुलना करते हुए हंसती हैं, 'लेकिन विशाल को देखो, ये आराम से कर रहा होता था। इसे कोई फर्क ही नहीं पड़ता था। मैं सोचती थी कि यार, ये कैसे कर लेता है?'

काम नहीं था तो खुद पर काम किया

करियर में एक वक़्त ऐसा भी आया, जब आशा के पास काम नहीं था। वह कहती हैं, 'एक वक़्त ऐसा भी था जब कुछ भी वर्क नहीं कर रहा था। मैंने वो फेलियर वाला फेज भी देखा है। लेकिन मुझे लगता है कि लो फेज आपको ज्यादा सिखाते हैं। जब सब अच्छा चल रहा होता है तो शायद आप उल्टा नहीं सीखते, जितना उस वक़्त सीखते हैं जब चीजें आपके हिसाब से नहीं हो रही होती।' वह आगे कहती हैं, 'उस लो फेज में भी मेरे दिमाग में ऐसा कोई प्लान नहीं आया कि शायद मैंने गलत फैसला कर लिया या मुझे कुछ और ट्राई करना चाहिए। आज भी लोग कहते हैं कि आप कोई साइड बिजनेस क्यों नहीं करते, लेकिन मुझे लगता है कि मैं बस यही कर सकती हूँ। मुझे और कुछ नहीं आता। इसलिए जब वो वक़्त आया तो मैंने सोचा कि अगर अभी काम नहीं है तो खुद पर काम कर लेती हूँ।' जब मैं बॉम्बे आई थी तो मेरी एक्टिंग वही थी जो हमने टेलीविजन में सीखी थी। उस वक़्त मैंने वर्कशॉप की। नेटपिलवर्स और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म आ रहे थे, तो अच्छा सिनेमा भी देखने लगी। अगर उस वक़्त काम नहीं था तो कम से कम मैं कुछ सीखकर तो निकलूँ। आज पीछे मुड़कर देखती हूँ तो लगता है कि अच्छा किया मैंने।'